Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 347
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
सोमवार, 22 दिसम्बर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

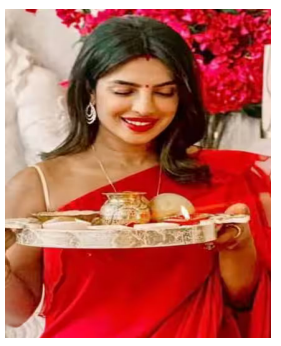

3 निकाय चुनाव में महायुति की शानदार जीत;...

4 बड़ी कंपनी के सामने केंद्र सरकार कैसे हो ...

7 रॉबिन उथप्पा ने एसआरएच की बॉलिंग पर...

संक्षिप्त न्यूज

'मनरेगा से गांधी का नाम हटाना उनकी दूसरी हत्या', जी राम जी बिल पर चिदंबरम ने केंद्र सरकार को घेरा

नई दिल्ली। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम से गांधी का नाम हटाने को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने इसे महात्मा गांधी की दूसरी हत्या करार दिया है। उन्होंने कहा कि संसद से पारित नए कानून के जरिए न सिर्फ गांधी की स्मृति को मिटाने की कोशिश की गई है, बल्कि ग्रामीण गरीबों के अधिकारों पर भी सीधा प्रहार हुआ है।

चिदंबरम ने कहा कि 18 दिसंबर को संसद ने विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम जी विधेयक पारित किया, जो 20 साल पुराने मनरेगा कानून की जगह लेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बदलाव बिना पर्याप्त चर्चा के किया गया और इससे ग्रामीण रोजगार की कानूनी गारंटी कमजोर हो गई है। कांग्रेस नेता ने कहा कि पार्टी इस कानून का लगातार विरोध करेगी। हालांकि आज ही यानी रविवार को राष्ट्रपति ने इस बिल को मंजूर भी कर दिया है।

गांधी और नेहरू को मिटाया नहीं जा सकता

चिदंबरम ने कहा कि महात्मा गांधी की पहली हत्या 30 जनवरी 1948 को हुई थी और अब उनकी स्मृति को फिर से खत्म करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि गांधी और नेहरू को सरकारी आदेशों से नहीं मिटाया जा सकता, वे देश की चेतना में बुद्ध और यीशु की तरह जीवित हैं।

अधिकार से योजना बना दिया गया

कांग्रेस नेता ने कहा कि मनरेगा एक मांग आधारित अधिकार था। अगर कोई काम मांगता था तो सरकार कानूनी रूप से उसे काम देने के लिए बाध्य थी। नए कानून में यह अधिकार खत्म हो गया है और अब सरकार की मर्जी से काम दिया जाएगा।

नगरपालिका-नगरपंचायत चुनावों में महायुति का सुनामी जनादेश

विपक्ष का सूपड़ा साफ, भाजपा पर जनता का अटूट भरोसा

विकास, सेवा और सुशासन की जीत - भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण

मुंबई : नगरपालिका और नगरपंचायत चुनावों में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सशक्त नेतृत्व में महायुति ने ऐतिहासिक और दणदणीत जीत दर्ज कर विपक्ष को करारा जवाब दिया है। जनता ने स्पष्ट शब्दों में विकास, सेवा और सुशासन को चुना है और नकारात्मक राजनीति करने वाले विपक्ष को पूरी तरह नकार दिया है। 125 से अधिक नगरपालिकाओं में भाजपा का परचम लहराया है और 1100 से अधिक नगरसेवक भाजपा से विजयी होकर आए हैं। यह जनादेश भाजपा पर जनता के अटूट विश्वास का प्रमाण है, ऐसा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री रविंद्र चव्हाण ने कहा।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित विजय उत्सव के दौरान ढोल-ताशों की गूंज, गुलाल की बौछार और मिठाइयों के वितरण के साथ कार्यकर्ताओं ने जीत का जश्न मनाया। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता विधायक श्रीकांत भारतीय, मुख्यालय प्रभारी रविंद्र अनासपुरे, प्रदेश मीडिया प्रमुख नवनाथ बन, कार्यालय सचिव मुकुंद कुलकर्णी, सचिव भरत राऊत, प्रदेश प्रवक्ता ओमप्रकाश चौहान सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्री चव्हाण ने कहा कि यह जीत किसी एक नेता की नहीं, बल्कि हर उस कार्यकर्ता की है जिसने गली-मोहल्ले, बूथ और वार्ड स्तर पर जी-जान लगाकर काम किया। यह विजय भाजपा के जमीनी कार्यकर्ताओं को समर्पित है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की निर्णायक नीतियों और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के विकासोन्मुख, परिणामकारी और भ्रष्टाचार-मुक्त शासन पर जनता ने फिर से मुहर लगाई है। राष्ट्रीय नेतृत्व के मार्गदर्शन में भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस चुनाव को पूरी ताकत और रणनीति के साथ लड़ा और विपक्ष की हर साजिश को नाकाम किया।

विपक्ष की नकारात्मक राजनीति हुई ध्वस्त

विपक्ष पर तीखा प्रहार करते हुए चव्हाण ने कहा कि झूठे नैरेटिव, हीन टीका और भ्रम फैलाने की राजनीति करने वाले दलों को जनता ने करारा सबक सिखाया है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले उबाठा गुट के पास जनता को देने के लिए कुछ भी नहीं था और जनता ने उनकी असलियत पहचान ली। परिणामस्वरूप यह गुट दो अंकों का आंकड़ा भी पार नहीं कर सका। आने वाले समय में भी जनता ऐसे खोखले और दिशाहीन नेतृत्व को पूरी तरह खारिज करेगी, यह साफ हो गया है।

फडणवीस ही महाराष्ट्र को ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की ओर ले जा सकते हैं

चव्हाण ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ही ऐसे एकमात्र नेता हैं जो महाराष्ट्र को ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की दिशा में मजबूती से आगे ले जा सकते हैं। मराठवाड़ा ग्रिड से जल संकट पर निर्णायक प्रहार हुआ है, विदर्भ का वर्षों का विकासात्मक अनुशेष भरा जा रहा है और कोकण क्षेत्र में समृद्धि की नई नींव रखी जा चुकी है। राज्य के हर कोने में दिखाई दे रहा विकास ही इस प्रचंड विजय का असली कारण है।

कार्यकर्ताओं के चुनाव में मुख्यमंत्री फडणवीस की ऐतिहासिक मेहनत

नगरपालिका और नगरपंचायत चुनाव सामान्य कार्यकर्ताओं के चुनाव होते हैं। इस चुनाव में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अभूतपूर्व मेहनत की। उन्होंने राज्यभर में 50 से अधिक सभाएं कीं और जहाँ पहुँचना संभव नहीं था, वहाँ फोन और ऑनलाइन माध्यम से सीधे मतदाताओं से संवाद किया। उनकी दिन-रात की मेहनत और विकास का विज़न ही इस ऐतिहासिक जीत की रीढ़ बना।

महापालिका चुनावों में भी महायुति की जीत तय

श्री चव्हाण ने विश्वास जताया कि जिस तरह जनता ने नगरपालिका और नगरपंचायत चुनावों में विकास को चुना है, उसी तरह आगामी महापालिका चुनावों में भी महायुति को भारी बहुमत से विजयी बनाएगी। महानगरों में चल रहे बड़े बुनियादी ढांचा प्रकल्प भाजपा की जीत की मजबूत गारंटी हैं।

जनता ने स्पष्ट संदेश दे दिया है -
भ्रम नहीं, विकास चाहिए;
नाटक नहीं, नेतृत्व चाहिए;
और यह नेतृत्व सिर्फ भाजपा महायुति के पास है।

जयशंकर ने भगवान कृष्ण और हनुमान को दुनिया के सबसे महान राजनयिक बताया

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारतीय संस्कृति और ग्रंथों की महत्ता पर जोर देते हुए कहा है कि रणनीति और कूटनीति के सबसे बड़े उदाहरण हमारे अपने इतिहास में मौजूद हैं। पुणे पुस्तक महोत्सव में उन्होंने भगवान कृष्ण और भगवान हनुमान को 'महान राजनयिक' बताया।

जयशंकर ने कहा कि रामायण और महाभारत केवल परिवार या शक्ति के संघर्ष की कहानियां नहीं हैं, बल्कि इनमें कूटनीति और 'गेम प्लान' के गहरे सबक छिपे हैं।

हनुमान जी का दिया उदाहरण

उन्होंने बताया कि कैसे भगवान हनुमान ने लंका जाकर न केवल जानकारी जुटाई, बल्कि रावण को मनोवैज्ञानिक रूप से हराया और माता सीता का हौसला बढ़ाया। यह एक सफल डिप्लोमैट का बेहतरीन उदाहरण है।

आज की वैश्विक राजनीति को उन्होंने 'गठबंधन का दौर' बताया। उन्होंने कहा कि भारत के लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि है। हम उन देशों के साथ जुड़ते हैं जो भारत की प्रगति में मदद करते हैं।

असम में पीएम मोदी ने किया फर्टिलाइजर प्लांट का शिलान्यास, कांग्रेस पर जमकर बरसे

गुवाहटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के नामरूप में 'असम वैली फर्टिलाइजर एंड केमिकल कंपनी' के नए यूरिया प्लांट का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने असम के विकास और किसानों के हितों को लेकर कई बड़ी बातें कहीं। पीएम ने कहा कि नामरूप और डिब्रूगढ़ के लिए आज ऐतिहासिक दिन है। इस प्लांट से न केवल खाद का उत्पादन बढ़ेगा, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए हजारों नौकरियों के अवसर भी खुलेंगे। मोदी ने बताया कि बीज से लेकर बाजार

तक सरकार किसानों के साथ है। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत अब तक 4 लाख करोड़ रुपये सीधे खातों में भेजे जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी में नए एयरपोर्ट टर्मिनल का उद्घाटन और इस प्लांट का निर्माण दिखाता है कि असम अब विकास की नई रफ्तार पकड़ चुका है।

पीएम ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उन्होंने खाद फैक्ट्रियां बंद होने दीं और किसानों पर लाठियां चलवाईं। उन्होंने कांग्रेस पर 'वोट बैंक' की राजनीति के लिए अवैध घुसपैठियों को बढ़ावा देने का आरोप भी लगाया।

मोदी ने गारंटी दी कि बीजेपी असम की जमीन, जंगल और सम्मान की रक्षा के लिए 'फौलाद' की तरह खड़ी है और किसी भी घुसपैठ को बर्दाश्त नहीं करेगी।

तमिलनाडु सीएम का आरोप

'सेक्युलर शब्द से नफरत करती है भाजपा, संविधान से हटाने के लिए उतावली'

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने आरोप लगाया है कि भाजपा सेक्युलर शब्द से नफरत करती है और इस शब्द को संविधान से हटाने के लिए उतावली है। स्टालिन ने ये आरोप लगाया कि भाजपा देश की विविधता को तबाह करना चाहती है। तिरुनेलवेली में एक क्रिसमस कार्यक्रम के दौरान सीएम स्टालिन ने 19वीं सदी में भारत आई एक ईसाई मिशनरी साराह टकर की तारीफ की। सीएम ने कहा कि साराह टकर ने दक्षिणी तमिलनाडु में महिलाओं की शिक्षा के लिए बहुत काम किया।

अल्पसंख्यकों के लिए कई योजनाओं की दी जानकारी

सीएम स्टालिन ने कहा, साराह टकर कॉलेज जैसे संस्थानों ने दक्षिणी तमिलनाडु में महिलाओं को शिक्षित बनाने में अहम योगदान दिया। सीएम ने कहा कि सभी धर्म के लोगों को साथ मिलकर रहना चाहिए। उन्होंने

कहा डीएमके की सरकार में अल्पसंख्यकों के कल्याण पर बहुत ध्यान दिया जाता है। डीएमके सरकार में अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। जिसमें उन्होंने ईसाई समुदाय के लिए किए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी दी, जिसमें चर्चों के निर्माण और पुनर्उद्धार जैसे काम गिनाए। सीएम ने कहा कि उनकी सरकार ने बिना किसी भेदभाव के हर धर्म के विकास के लिए काम किया।

'भाजपा सेक्युलर शब्द से नफरत करती है'

सीएम स्टालिन ने कहा, 'तमिलनाडु के लोग उनकी सरकार का पूरा समर्थन करते हैं, लेकिन ये कुछ लोगों को पसंद नहीं आता। कई तमिलनाडु की शांति को बिगाड़ना चाहते हैं।' उन्होंने कहा कि डीएमके सरकार का विकास मॉडल जीसस के सिद्धांत पर आधारित है कि सभी के पास जरूरत का हर सामान होना चाहिए। सीएम ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार अल्पसंख्यकों को धमका रही है। सीएम स्टालिन ने कहा, भाजपा, सेक्युलरिज्म (धर्मनिरपेक्षवाद) शब्द से नफरत करती है और इस शब्द को संविधान से हटाने के लिए उतावली है। सीएम ने कहा, 'वे देश की विविधता को खत्म करे एक अधिनायकवादी भविष्य बनाना चाहते हैं, जहां एक ही भाषा, एक ही धर्म और एक ही संस्कृति, एक ही पार्टी और एक ही नेता का दबदबा हो। वे तमिलनाडु में भी इस योजना को लागू करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन डीएमके भाजपा की इस साजिश को कभी सफल नहीं होने देगी।'

अटल बिहारी वाजपेयी के नतृत्व पर बोले उपराष्ट्रपति

'लोकतांत्रिक मूल्यों से गढ़ा आधुनिक भारत'

भोपाल। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि वाजपेयी ने लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अडिग प्रतिबद्धता के साथ आधुनिक भारत की दिशा तय की। उन्होंने कहा कि अटल जी का जीवन यह सिखाता है कि नेतृत्व केवल सत्ता नहीं, बल्कि सेवा, जिम्मेदारी और जनता के प्रति समर्पण है।

उपराष्ट्रपति इंदौर में अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अटल जी मजबूत नेतृत्व, सुशासन और सिद्धांतों पर अडिग रहने के लिए हमेशा याद किए जाएंगे। वे केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि स्वयं में एक मिशन थे, जो हर परिस्थिति में अपने मूल्यों पर अटल रहे।

सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी एक कुशल राजनेता, प्रशासक, सांसद और कवि थे, लेकिन सबसे बढ़कर वे एक महान इंसान थे। उन्होंने राजनीति को गरिमा और संवेदनशीलता दी। अटल जी ने साबित किया कि राजनीति सिद्धांतों और करुणा के साथ भी की जा सकती है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि अटल बिहारी

वाजपेयी का सपना आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। अटल जी संवाद, समावेशी विकास और मजबूत लेकिन मानवीय शासन में विश्वास रखते थे। उनके विचार आज भी देश की नीतियों और विकास यात्रा का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

उन्होंने 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षण और 1999 के कारगिल युद्ध का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौर में अटल बिहारी वाजपेयी ने राष्ट्रहित में कभी समझौता नहीं किया। वे अपने नाम की तरह हर फैसले में अटल रहे। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना जैसी योजनाओं ने देश की बुनियादी ढांचे को नई दिशा दी।

उमर अब्दुल्ला ने जम्मू कश्मीर को पोलियो मुक्त बनाए रखने का संकल्प लिया

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर सरकार ने रविवार को पूरे केंद्रशासित प्रदेश में पल्स पोलियो अभियान चलाया और इस दौरान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अभिभावकों से यह सुनिश्चित करने की अपील की कि पांच वर्ष तक का कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित ना रहे। अब्दुल्ला ने केंद्रशासित प्रदेश को पोलियो-मुक्त बनाए रखने की सरकार की प्रतिबद्धता भी दोहराई।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''आज (रविवार) शुरू किए गए पल्स पोलियो अभियान के तहत मुख्यमंत्री ने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को निकटतम बूथ पर ले जाकर पोलियो की दवा पिलाएं।''

कार्यालय ने बताया कि मुख्यमंत्री ने ''हमारे बच्चों के भविष्य की सुरक्षा'' के लिए अथक प्रयास करने वाले स्वास्थ्य सेवा कर्मियों और स्वयंसेवकों की सराहना भी की। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने यहां गांधी नगर स्थित सरकारी अस्पताल में बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत की।

इटू ने केंद्रशासित प्रदेश की पोलियो-मुक्त स्थिति बनाए रखने के लिए नियमित टीकाकरण और समुदाय की भागीदारी की अहम भूमिका पर जोर दिया। इटू ने अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कर्मियों, आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवकों और जिला स्वास्थ्य दलों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, ''दूर-दराज के इलाकों में जाकर बच्चों को दो बूंद पिलाना बेहद चुनौतीपूर्ण था लेकिन अग्रिम पंक्ति के हमारे कर्मियों ने इसे कुशलता से पूरा किया।''

प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के विजन के तहत स्वदेशी को मिली नई दिशाः हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी

चड़ीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के साथ स्वदेशी को एक नई दिशा मिली है।

सैनी ने कहा कि स्वदेशी भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का मूलमंत्र रहा है और महात्मा गांधी ने इसे आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के साधन के रूप में इस्तेमाल किया था। सैनी ने पंचकूला में 'स्वदेशी महोत्सव-2025' का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए कहा, 'आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत के विजन के साथ स्वदेशी को एक नई दिशा मिली है।'

सैनी ने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपने स्थानीय कौशल को आधुनिक तकनीक के साथ एकीकृत करें और नौकरी चाहने वालों के बजाय रोजगार सृजनकर्ता बनें। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार मुद्रा योजना, स्टैंड-अप इंडिया और एमएसएमई क्षेत्र के लिए विशेष सब्सिडी जैसी योजनाओं के माध्यम से युवा उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी प्रौद्योगिकी का युवा नेतृत्व वाला विकास न केवल नए उद्यमों को प्रोत्साहित करेगा बल्कि भारत को वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

सैनी ने कहा कि 'स्वदेशी' की अवधारणा अब पारंपरिक उत्पादों तक सीमित नहीं है बल्कि इसे अब प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर, रक्षा उपकरण और सेमीकंडक्टर जैसे आधुनिक क्षेत्रों में भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वैश्विक मानकों के अनुरूप स्थानीय विनिर्माण को विकसित करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचने की राह पर है।

चुनावों के संबंध में NMMP मुख्यालय में मीडिया मॉनिटरिंग रूम और मीडिया रूम चालू हो गए

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई नगर निगम सार्वभौमिक चुनाव 2025-26 की प्रक्रिया को सुचारू और पारदर्शी तरीके से पूरा करने के लिए पूरा प्रशासनिक तंत्र तैयार है। माननीय राज्य चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार, चुनाव से संबंधित प्रत्येक विषय पर नगर निगम आयुक्त और चुनाव अधिकारी डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में सटीक योजना बनाई जा रही है। तदनुसार मुख्य लेखा और वित्त अधिकारी सत्यशील उबाले को उनके मीडिया सेल और मीडिया प्रमाणन और पर्यवेक्षण कार्य समन्वय अधिकारी (नोडल अधिकारी के रूप में) नियुक्त किया गया है। इसी तरह माननीय राज्य चुनाव आयोग के आदेश से मीडिया प्रमाणन और पर्यवेक्षण समिति का गठन किया गया है।

चुनाव के अनुसार नगर निगम मुख्यालय में तीसरी मंजिल पर ङ'मीडिया ऑब्जर्वेशन रूम (मीडिया मॉनिटरिंग सेंटर)' स्थापित किया गया है, जहाँ चुनाव की पूरी अवधि के दौरान दैनिक समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, टीवी डॉक्यूमेंट्री चैनलों, यू ट्यूब चैनलों और सोशल मीडिया का अवलोकन किया जाएगा। इसके लिए कार्य पर अधिकारियों, कर्मचारियों की नियुक्तियाँ की गई हैं और विभिन्न प्रसार माध्यमों की जिम्मेदारी स्वतंत्र स्टाफ समूह बनाकर उन्हें सौंपी गई है। इसी तरह भूतल पर पत्रकार कक्ष में 'मीडिया सेंटर' स्थापित किया गया है।

नंपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने मीडिया

नियंत्रण कक्ष का उपहार देकर निरीक्षण करते हुए मीडिया अवलोकन करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों को समूह बनाकर कार्य करने के संबंध में मार्गदर्शन दिया। इस समय अतिरिक्त आयुक्त श्री सुनील पवार, मुख्य लेखा और वित्त अधिकारी सत्यशील उबाले, प्रशासन विभाग के उपायुक्त श्री किसनराव पालंदे, संपत्ति कर विभाग के उपायुक्त डॉ. अमोल पालावे और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों द्वारा प्रसारित/प्रचारित इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए प्रस्तावित विज्ञापनों का पूर्व-प्रमाणन करने, मीडिया को चुनाव संबंधी कार्य की जानकारी देने, मीडिया के माध्यम से समाचार संकेतों के अनुपालन के संबंध में अवलोकन करने, भुगतान किए गए समाचारों के संबंध में शिकायतों/मामलों की जाँच और समाधान करने, सोशल मीडिया की निगरानी करने के संबंध में राज्य चुनाव आयोग द्वारा दिनांक 9 अक्टूबर 2025 को जारी अधिसूचना के अनुसार मीडिया प्रमाणन और पर्यवेक्षण समिति कार्य करेगी।

नगरपालिका आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे की अध्यक्षता में गठित समिति में अतिरिक्त आयुक्त सुनील पवार, पुलिस उपायुक्त (विशेष शाखा) रश्मि नांदेड़कर, मुख्य लेखा और वित्त अधिकारी और नोडल अधिकारी सत्यशील उबाले इस समिति के सदस्य के रूप में कार्य देखेंगे। चुनाव में किसी भी राजनीतिक दल या उम्मीदवार द्वारा टेलीविज़न, सैटेलाइट चैनल, केबल चैनल, यू-ट्यूब चैनल, केबल नेटवर्क, AIR, प्राइवेट FM चैनल, सिनेमा, सार्वजनिक स्थानों पर ऑडियो-विज़ुअल डिस्प्ले, ई-अखबार, बल्क एसए, वॉइस एसए, सोशल मीडिया, वेबसाइट जैसे किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से विज्ञापन प्रसारित/प्रचारित करने पर, उन प्रस्तावित विज्ञापनों का समिति से प्री-सर्टिफिकेशन लेना ज़रूरी है। यदि प्री-सर्टिफिकेशन नहीं किया गया तो उन विज्ञापनों का प्रसारण/प्रचार नहीं किया जाएगा, इस बात का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।

नवी मुंबई नगर निगम के सार्वत्रिक चुनाव 15 दिसंबर 2025 के लिए आचार संहिता जारी कर दी गई है। आचार संहिता की अवधि के दौरान सभी तत्वों द्वारा आदर्श आचार संहिता के नियमों का पालन करना और मीडिया भी सभी के साथ समान न्याय के सिद्धांत पर आचार संहिता का पालन करते हुए निष्पक्ष खबरें प्रकाशित करे, साथ ही अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने का प्रयास करे, ऐसी अपील की जा रही है।

मूक-बधिर महिला ने 16 साल बाद यौन उत्पीड़न पर तोड़ी चुप्पी, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई में 16 साल पहले हुए यौन उत्पीड़न के मामले में एक मूक-बधिर महिला की शिकायत ने एक अपराधी का पर्दाफाश किया है। इस खुलासे से पता चला है कि आरोपी पिछले कई वर्षों से मूक-बधिर समुदाय की महिलाओं का शोषण और उन्हें ब्लैकमेल कर रहा था। मामले में पुलिस ने 13 दिसंबर को पालघर जिले के विरार से आरोपी को गिरफ्तार किया है।

यह मामला तब सामने आया जब आरोपी की प्रताड़ना से तंग आकर एक अन्य महिला ने आत्महत्या की कोशिश की। इस घटना से विचलित होकर, पीड़िता ने अपनी चुप्पी तोड़ी। इसके बाद उसने एक व्हाट्सएप ग्रुप पर वीडियो कॉल के जरिए सांकेतिक भाषा में अपने दोस्तों और सहकर्मियों को बताया कि साल 2009 में, जब वह नाबालिग थी, आरोपी ने उसे नशीला पदार्थ पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था।

16 साल पहले झेले गए सदमे को याद करते हुए, पीड़िता ने बताया कि जुलाई 2009 में एक महिला दोस्त ने उसे शहर घुमाने के बहाने सांताक्रूज स्थित महेश पवार के घर ले गई थी। यहां आरोपी ने महिला दोस्त का जन्मदिन मनाने के बहाने पीड़िता को समोसे और कोल्ड ड्रिंक दी। ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिला हुआ था। नशीला पदार्थ पीने के बाद सहेली पीड़िता को अकेला छोड़ कर चली गई, जिसके बाद पवार ने उसके साथ दुष्कर्म किया और पूरी घटना का वीडियो बना लिया।

मामले को लेकर एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि जांच में पता

चला है कि आरोपी ने इसी तरह बोलने और सुनने में अक्षम महिलाओं को ड्रग्स देकर उनका उत्पीड़न किया। फिर अश्लील वीडियो से ब्लैकमेल करके उन्हें चुप रहने की धमकी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी ने कथित तौर पर कई महिलाओं के अश्लील वीडियो बनाए, जिनका इस्तेमाल करके उसने उन्हें ब्लैकमेल किया। इस दौरान उनसे पीड़ितों से पैसे, सोना और मोबाइल फोन वसूले। अधिकारी ने बताया कि उसने कथित तौर पर महिलाओं को उसके साथ न्यूड वीडियो कॉल में शामिल होने के लिए मजबूर किया और उन्हें धमकाने के लिए इन्हें रिकॉर्ड किया।

मामले में पीड़िता ने अपने पति को विश्वास में लिया, जिसके बाद 'ठाणे डेफ एसोसिएशन' के अध्यक्ष वैभव घाइसिस, कार्यकर्ता मोहम्मद फरहान खान और साइन लैंग्वेज इंटरप्रेटर (दुभाषिया) मधु केनी की मदद से कुरार पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया गया। मधु केनी के अनुसार, कई अन्य महिलाएं भी अब न्याय के लिए सामने आने को तैयार हैं।

अधिकारी ने मीडिया से बात करते हुए बताया 'अब तक की शुरुआती जांच के अनुसार, हमारे पास सात महिलाओं के साथ उसके दुर्व्यवहार के सबूत हैं, लेकिन यह संख्या 24 से ज्यादा हो सकती है।' आरोपी को फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। हमने सात महिलाओं के उत्पीड़न के सबूत जुटाए हैं। हालांकि, अभी तक अन्य महिलाओं ने औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है, लेकिन जांच जारी है।'

शिवसेना-मनसे गठबंधन अंतिम चरण में, संजय राउत ने दो-तीन दिन में आधिकारिक एलान का दिए संकेत

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र में पिछले कई महीनों से उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) की गठबंधन को लेकर अटकलें तेज है। ऐस में अब शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने ठाकरे बंधुओं के साथ आने को लेकर बड़ा बयान दिया है। रविवार को उन्होंने कहा कि राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के साथ गठबंधन की बातचीत अंतिम चरण में है और दो-तीन दिन में इसका आधिकारिक एलान कर दिया जाएगा। यह बयान उन्होंने स्थानीय निकाय चुनावों की वोटिंग चल रही थी, उसी दौरान पत्रकारों से बातचीत में दिया।

संजय राउत ने आगे कहा कि हमारा मानना है कि यह आखिरी बैठक थी। दो-तीन दिन में इसका आधिकारिक एलान होगा। बता दें कि यह गठबंधन मुंबई और अन्य 29 नगर निगमों के चुनाव के लिए हो सकता है, जिनकी वोटिंग 15 जनवरी को होगी और वोटों की गिनती 16 जनवरी को।

बैठक के बाद राउत ने कहा कि इस गठबंधन को लेकर कांग्रेस कुछ

हिचकिचाहट महसूस कर रही है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस ने राज ठाकरे की मनसे को लेकर कुछ शर्तें रखी हैं। हमने कांग्रेस को समझाने की कोशिश की कि भाजपा को हराने के लिए सभी को एक साथ आना जरूरी है। लेकिन कांग्रेस को मनाने के प्रयास अभी भी जारी हैं।

कांग्रेस से कोई झगड़ा नहीं- राउत

इसके साथ ही संजय राउत ने यह भी कहा कि मुंबई में कांग्रेस के साथ चेन्निथला ने शनिवार को कहा था कि पार्टी कार्यकर्ताओं की मजबूत मांग है कि वे बीएमसी चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़े।

उन्होंने कहा कि हम मुंबईवासियों के मुद्दों जैसे प्रदूषण, स्वास्थ्य सेवाएं और भ्रष्टाचार पर चुनाव लड़ेंगे। मुंबईवासियों को हमें सेवा करने का मौका देना चाहिए। पार्टी यह सुनिश्चित करने के लिए चुनाव अकेले लड़ेगी कि शहर की सेक्युलर पहचान बनी रहे।

गठबंधन न होने के बावजूद उनके बीच कोई झगड़ा नहीं है। वहीं, कांग्रेस के नेता और महाराष्ट्र प्रभारी रमेश

एकनाथ शिंदे की तरफ से प्यारी बहनों के लिए अच्छी खबर, नगर परिषद के नतीजे आते ही बड़ा ऐलान

दिव्यांश

मुंबई(संवाददाता)

सरकार ने 2.5 लाख से कम इनकम वाले परिवारों की महिलाओं के लिए लड़की बहिन योजना शुरू की है। इस स्कीम के तहत, फायदा पाने वाली महिलाओं के बैंक अकाउंट में हर महीने 1.5 हजार रुपये जमा किए जाते हैं। यह स्कीम विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले शुरू की गई थी। कहा जा रहा है कि इस स्कीम से विधानसभा चुनाव में महायुति को काफी फायदा हुआ है। इस बीच, अगर महायुति सरकार दोबारा सत्ता में आती है, तो महायुति के कई नेताओं ने यह भी भरोसा दिलाया था कि फायदा पाने वाली महिलाओं का मानदेय बढ़ाकर 2100 रुपये कर दिया जाएगा। हालांकि, 2100 रुपये को लेकर अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है। हालांकि, अब बड़ी खबर सामने आ रही है। यानी, डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे ने इस स्कीम पर रिएक्शन देते हुए बड़ा बयान दिया है। नगर परिषद और नगर पंचायत चुनाव के नतीजे आज घोषित किए गए। महायुति ने इन चुनावों में बड़ी सफलता हासिल की है, महायुति के 288 उम्मीदवारों में से महापौर पद के 214 उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है। राज्य में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है, जबकि शिवसेना शिंदे समूह दूसरे स्थान पर है। शिवसेना शिंदे समूह के 57 उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है। इन परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एकनाथ शिंदे ने प्यारी बहनों को बधाई दी है। शिवसेना के इतिहास में आज तक इतने महापौर नहीं चुने गए। कार्यकर्ताओं और प्यारी बहनों को बधाई, प्यारी बहन, प्यारी बेटी, प्यारे लाख, लड़कियों के लिए मुफ्त उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य के संबंध में कई योजनाएं लागू की गई हैं, मैं खुश और संतुष्ट हूं। ढाई साल की अवधि में, महाविकास आघाड़ी ने उन सभी बाधाओं को हटा दिया जो रुकी हुई थीं और महाराष्ट्र को आगे बढ़ाया। मेरी पसंदीदा योजना मुख्यमंत्री की लड़की बहिन योजना है। कई लोगों ने इसका विरोध किया, लेकिन विरोध के बावजूद योजना जारी रही। इस मौके पर एकनाथ शिंदे ने घोषणा की कि हमारी प्यारी बहनों को 2100 रुपये दिए जाएंगे और सही समय पर हम मानदेय फंड भी बढ़ाएंगे।

राज ठाकरे को बड़ा झटका, चुनाव में बीजेपी के गले पर एमएनएस के बड़े नेता!

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राज्य में इस समय चुनावी माहौल पूरी तरह से गरमाया हुआ है। एक ओर नगर परिषद चुनावों का प्रचार तेज़ी से चल रहा है। राज्य की कुल 29 नगर परिषदों के लिए 15 जनवरी को मतदान होना है, जबकि 16 जनवरी को सभी नतीजे घोषित किए जाएंगे। चुनाव में जीत हासिल करने के लिए सभी राजनीतिक दल पूरी ताकत के साथ मैदान में उतर चुके हैं।

हाल ही में नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों के नतीजे घोषित किए गए हैं। इन नतीजों में भारतीय जनता पार्टी के साथ-साथ महायुति के शिंदे गुट और अजित पवार गुट को अच्छी सफलता मिली है। इसी जीत की लय को आगामी नगर निगम चुनावों में भी बनाए रखने के लिए भारतीय जनता पार्टी राज्यभर में अन्य दलों के प्रभावशाली नेताओं को अपने दल में शामिल कर रही है।

इसी क्रम में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के एक बड़े स्थानीय नेता ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना छोड़कर सीधे भारतीय

जनता पार्टी में प्रवेश कर लिया है। इस राजनीतिक घटनाक्रम से नगर निगम चुनावों का समीकरण बदलता हुआ दिखाई दे रहा है और भारतीय जनता पार्टी को इससे बड़ी मजबूती मिली है।

मीरा-भायंदर क्षेत्र में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के डिवीजन अध्यक्ष श्रीजीत मोहन ने पार्टी से इस्तीफा देकर भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है। उनके साथ लगभग 70 कार्यकर्ता भी भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए हैं। इस अवसर पर मीरा-भायंदर क्षेत्र के स्थानीय विधायक नरेंद्र मेहता उपस्थित थे। नगर निगम चुनावों से पहले हुई इस बड़ी राजनीतिक हलचल से पूरे इलाके में राजनीतिक चर्चाएं तेज़ हो गई हैं। श्रीजीत मोहन मीरा-भायंदर क्षेत्र में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के एक मजबूत और प्रभावशाली नेता माने जाते थे। क्षेत्र में उनका अच्छा जनसमर्थन रहा है। उनके साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने से मीरा-भायंदर में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना का संगठन कमजोर हुआ है। माना जा रहा है कि इसका सीधा असर आने वाले नगर निगम चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन पर पड़ सकता है।

अब महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के सामने यह बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है कि वह इस नुकसान की भरपाई कैसे करती है और डिवीजन अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी किस नए नेता को सौंपती है। ऐसे में मीरा-भायंदर नगर निगम चुनाव में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना आगे क्या रणनीति अपनाएगी, इस पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

कणकवली नगर परिषद चुनाव में 'राणे बनाम राणे' की जंग, भाजपा को लगा झटका

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले की कणकवली नगर परिषद के चुनाव नतीजों ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। यहां एक दिलचस्प मुकाबले में शिवसेना नेता नीलेश राणे के समर्थित उम्मीदवार ने अपने ही भाई और राज्य मंत्री नितेश राणे भाजपा के समर्थित उम्मीदवार को उनके गढ़ में शिकस्त दे दी। इस चुनावी परिणाम को 'राणे बनाम राणे' की जंग के तौर पर देखा जा रहा है, जिसने स्थानीय राजनीति में नई चर्चा छेड़ दी है।

चुनाव परिणामों के बाद अपनी प्रतिक्रिया देते हुए नीलेश राणे ने इसे खुशी और दुख का मिला-जुला क्षण बताया। उन्होंने कहा, 'एक तरफ जीत की खुशी है, तो दूसरी तरफ अपनों की हार का दुख भी है। उन्होंने कहा हमारा गठबंधन और परिवार पहले की तरह ही एकजुट रहेगा। गठबंधन वैसा ही रहेगा, भाजपा हमारा परिवार है और उनकी हार मेरे

लिए दुख की बात है। मैं किसी की हार का जश्न नहीं मना रहा हूं, क्योंकि वे मेरे अपने हैं।'बता दें कि सिंधुदुर्ग जिले में स्थानीय निकाय चुनावों से पहले दोनों सहयोगियों के बीच तीखी बयानबाजी भी देखने को मिली थी। नीलेश राणे ने चुनाव के दौरान भाजपा पर 'धनबल' (पैसे की ताकत) का इस्तेमाल करने का गंभीर आरोप भी लगाया था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस जीत ने नीलेश राणे के स्थानीय प्रभाव को मजबूत किया है।

बड़ी खबर! महाविकास अघाड़ी में फूट? राज्य की राजनीति में नया एक्सपेरिमेंट, कांग्रेस ने लिया बड़ा फैसला

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाविकास अघाड़ी को एक बार फिर नगर परिषद और नगर पंचायत चुनाव के नतीजों में बड़ा झटका लगा है। महाविकास अघाड़ी को सिर्फ 50 सीटों से ही संतोष करना पड़ा है। हालांकि, इसके बावजूद राज्य में इस चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन ठीक-ठाक रहा है, कांग्रेस के 30 मेयर जीते हैं, जबकि राष्ट्रवादी शरद पवार ग्रुप और शिवसेना ठाकरे ग्रुप के 10-10 मेयर कैंडिडेट जीते हैं। दूसरी ओर, महायुति को एक बार फिर बड़ी कामयाबी मिली है, राज्य में महायुति के 214 मेयर कैंडिडेट जीते हैं। ँङ्क सबसे बड़ी पार्टी बन गई है, और BJP के 120 कैंडिडेट जीते हैं।

इस बीच, अब जब नगर परिषद और नगर पंचायत चुनाव के नतीजे आ गए हैं, नगर निगम चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं, बड़ी खबर

सामने आ रही है, और कांग्रेस एक बड़ा फैसला लेने की तैयारी में है। कांग्रेस के प्रकाश अंबेडकर की वंचित बहुजन अघाड़ी के साथ गठबंधन करने की संभावना है। इस बैकग्राउंड में, डेवलपमेंट ने तेज़ी पकड़ी है। मुंबई कांग्रेस वेङ डेलीगेशन ने आज वंचित बहुजन अघाड़ी के प्रेसिडेंट प्रकाश अंबेडकर से मुलाकात की है। कांग्रेस पहले ही कह चुकी है कि वह मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की सभी 227 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, लेकिन कांग्रेस एक जैसी सोच वाली पार्टियों को भी साथ लेने की तैयारी कर रही है। मुंबई में शेड्यूल्ड कास्ट कैटेगरी की 49 सीटें हैं, इसलिए खबर है कि कांग्रेस वंचित बहुजन अघाड़ी के साथ गठबंधन करने की इच्छुक है।

इस बीच, दूसरी तरफ, शिवसेना ठाकरे ग्रुप और श्ए मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के लिए गठबंधन करेंगे। जो जानकारी सामने आई है, उसके मुताबिक इस गठबंधन में नेशनलिस्ट शरद पवार ग्रुप के भी शामिल होने की संभावना है, और जानकारी सामने आ रही है कि शिवसेना ठाकरे ग्रुप ने अपने कोटे से नेशनलिस्ट शरद पवार ग्रुप को सीटें देने की तैयारी दिखाई है। हालांकि, कांग्रेस पहले ही साफ कर चुकी है कि कांग्रेस ने कहा है कि वह MNS और AIMIM के साथ गठबंधन नहीं करेगी। इसलिए इस बार मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के लिए कांग्रेस की शिवसेना, ठाकरे ग्रुप को छोड़कर वंचित बहुजन अघाड़ी के साथ गठबंधन कर सकती है।

निकाय चुनाव में महायुति की शानदार जीत; पीएम मोदी ने दी बधाई, कहा- महाराष्ट्र विकास के साथ खड़ा है

नई दिल्ली/मुंबई। महाराष्ट्र निकाय चुनाव में भाजपा समर्थित महायुति गठबंधन ने शानदार जीत हासिल की। रविवार का जारी हुए 288 सीटों के परिणाम में महायुति को 215 सीटों पर जीत मिली। पीएम मोदी ने इस जीत के लिए महाराष्ट्र की जनता को बधाई दी है। पीएम मोदी एक्स पर लिखा कि यह लोगों पर आधारित विकास के हमारे विजन में भरोसे को दिखाता है।

पीएम मोदी ने की सराहना

इससे पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के ट्वीट(अब एक्स) को रिट्वीट करते हुए पीएम मोदी ने लिखा, महाराष्ट्र विकास के साथ मजबूती से खड़ा है! नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में बीजेपी और महायुति को आशीर्वाद देने के लिए महाराष्ट्र के लोगों का आभारी हूं। यह जन-केंद्रित विकास की हमारी सोच में लोगों के भरोसे को दर्शाता है। हम पूरे राज्य में हर नागरिक की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए नई ऊर्जा के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जमीनी स्तर पर कड़ी मेहनत करने वाले भाजपा और महायुति के सभी कार्यकर्ताओं की मैं सराहना करता हूं।

फडणवीस ने जताया आभार

महाराष्ट्र में नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में भाजपा और महायुति को मिली बड़ी जीत पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जनता का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि यह जीत पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं की मेहनत, प्रतिबद्धता और निरंतर परिश्रम का परिणाम है। फडणवीस ने इसे ऐतिहासिक जनादेश बताया और कहा कि जनता ने एक बार फिर विकास की राजनीति पर भरोसा जताया है।

फडणवीस के अनुसार, दोपहर तीन बजे तक आए रुझानों और नतीजों में भाजपा ने 129 नगर परिषदों में जीत दर्ज की है, जो 2017 की तुलना में बड़ी बढ़त है। महायुति के खाते में कुल 288 में से 215 नगर परिषदें आई हैं। पार्षदों की संख्या के लिहाज से भी भाजपा ने रिकॉर्ड बनाया है। 2017 में 1602 सीटों के मुकाबले इस बार 3325 पार्षद निर्वाचित हुए हैं। महायुति को कुल 6952 में से 4331 सीटें मिली हैं।

फडणवीस ने इस सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण को भी बधाई दी और कहा कि उनके नेतृत्व में यह पहला चुनाव था, जिसमें पार्टी ने शानदार प्रदर्शन किया।

महायुति गठबंधन ने जीतीं 215, 50 आंकड़ा भी नहीं छू पाया विपक्ष

रविवार देर शाम तक मिली जानकारी के मुताबिक 288 सीटों के परिणाम में महायुति 215 सीटें जीत चुकी है। वहीं कांग्रेस समर्थित महा विकास अघाड़ी 50 का आंकड़ा भी छू नहीं पाया है। चुनाव नतीजों में सर्वाधिक 129 सीटों पर भाजपा के नगराध्यक्ष चुने गए है। वहीं, शिवसेना के लगभग 54, अजित पवार की एनसीपी के 40 नगराध्यक्ष चुने जाने के रूझान सामने आए है। निकाय चुनावों में मिली शानदार जीत पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि 288 में 129 भाजपा के उम्मीदवार सहित 215 नगरपरिषदों में 75 प्रतिशत महायुति के उम्मीदवार अध्यक्ष चुने गए हैं। वहीं, पार्षदों की संख्या पर गौर करें तो 2017 में 1602 के मुकाबले 2025 के चुनाव में कुल 6952 सीटों में स 3325 सीटें अकेले भाजपा ने जीती है जबकि महायुति के तौर पर 4133 सीटें (62.30 प्रतिशत) जीती है।

विपक्ष का रहा यह हाल

कांग्रेस को 34, शिवसेना (यूबीटी) के 8 और शरद पवार की पार्टी एनसीपी (एसपी) 7 नगराध्यक्ष सहित कुछ सीटें अन्य के खाते में गई हैं। बता दें कि राज्य में 246 नगर परिषद और 42 नगर पंचायतों के अध्यक्ष और पार्षदों के पदों के लिए हुए चुनावों की मतगणना रविवार सुबह 10 बजे शुरू हुई।

स्थानीय निकाय चुनाव के परिणाम 15 जनवरी को होने वाले नगर निगम चुनावों का 'ट्रेलर': शिंदे

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को दावा किया कि स्थानीय निकाय चुनावों के परिणाम 15 जनवरी को होने वाले नगर निगम चुनावों का 'ट्रेलर' हैं। उन्होंने शिवसेना की जीत की सराहना करते हुए कहा कि ये परिणाम उनकी पार्टी द्वारा किए गए अच्छे काम का प्रमाण हैं। उन्होंने ठाणे में संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'परिणाम जनता की राजनीति से ऊपर विकास को प्राथमिकता देने की प्रवृत्ति को दर्शाते हैं। चुनावों में महायुति की शानदार जीत

महज एक ट्रेलर है। महायुति आगामी नगर निगम चुनावों में भी यही प्रदर्शन दोहराएगा। उन्होंने शिवसेना (उबाठा) नेता उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा, मतदाताओं ने घर बैठे लोगों को चुनाव में घर में ही बैठाए रखा है। उन्होंने कहा, लोगों ने फैसला कर दिया है कि असली शिवसेना कौन है। हमारी विचारधारा बालासाहेब ठाकरे की है। आज इस शानदार जीत पर वह बहुत खुश होते। यह राजनीति में लिप्त लोगों के लिए एक बड़ा सबक है। जनता उन्हें नकारती है, जो उन्हें नकारते हैं।उन्होंने कहा कि शिवसेना का 'स्ट्राइक रेट' भी बहुत अच्छा है। शिंदे ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी ने कम सीट पर चुनाव लड़ा, लेकिन उनमें से अधिकतम सीटें जीतीं।उन्होंने कांग्रेस, शिवसेना (उबाठा) और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) पर निशाना साधते हुए कहा कि शिवसेना ने महा विकास आघाडी (एमवीए) की कुल सीटों से अधिक सीटें जीती हैं।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की शानदार सफलता पार्टी कार्यकर्ताओं की जीत है। गडकरी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आपकी, हमारी, भाजपा सबकी है और यह कार्यकर्ताओं की जीत है।उन्होंने नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में भाजपा की शानदार सफलता के लिए पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और कार्यकर्ताओं की सराहना की।

मंत्री और भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुले ने दावा किया कि महायुति ने अच्छी बढ़त बना ली है, जबकि एमवीए को करारी हार का सामना करना पड़ा है। बावनकुले ने कहा, महायुति ने महाराष्ट्र में शानदार बढ़त हासिल कर ली है और जनता ने कांग्रेस, शिवसेना (उबाठा) और राकांपा (एसपी) को नकार दिया है। आज जश्न का दिन है। बावनकुले ने कहा, मैंने पहले भी कहा था कि केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकारें ही महाराष्ट्र का विकास कर सकती हैं।

महायुति की जीत के लिए विपक्ष ने निर्वाचन आयोग और धनबल को जिम्मेदार ठहराया

विपक्षी दल कांग्रेस और शिवसेना (उबाठा) ने रविवार को निर्वाचन आयोग पर सत्तारूढ़ महायुति की जीत में मदद करने का आरोप लगाया।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने नगर पालिका अध्यक्ष और पार्षद पदों पर जीत हासिल करने वाले पार्टी उम्मीदवारों को बधाई दी। उन्होंने चुनाव में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन की मदद करने के लिए राज्य निर्वाचन निकाय को बधाई दी। शिवसेना (उबाठा) के नेता अंबदास दानवे ने महायुति की जीत का श्रेय धनबल और बाहुबल को दिया।महा विकास आघाडी के घटक दलों की तुलना में 'महायुति' ने अधिक सीट हासिल की हैं, जिसका श्रेय सत्ताधारी दलों द्वारा इस्तेमाल किए गए बाहुबल और धनबल को जाता है।

निकाय चुनाव में महायुति की बढ़त पर भड़का विपक्ष, चुनाव आयोग और भाजपा पर लगाए गंभीर आरोप

मुंबई। महाराष्ट्र की 286 नगर परिषदों और नगर पंचायतों के चुनाव परिणामों में सत्ताधारी महायुति गठबंधन अपनी बढ़त बनाए हुए है। हालांकि, विपक्षी खेमे ने इन नतीजों को लेकर चुनाव आयोग पर सत्ताधारी महायुति की बढ़त में मदद करने का आरोप लगाया। दो चरणों में हुए इन चुनावों की मतगणना की गिनती रविवार सुबह शुरू हुई, जिसमें अध्यक्ष और सदस्यों के पदों के लिए कड़ा मुकाबला देखने को मिला। गौरतलब है कि इन चुनावों में महायुति और महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के सहयोगियों के बीच कहीं गठबंधन तो कहीं 'दोस्ताना मुकाबले' की स्थिति बनी रही।

मामले में जैसे ही भाजपा और शिवसेना ने पूरे महाराष्ट्र में जीत का दावा किया वैसे ही कांग्रेस ने राज्य चुनाव आयोग को निशाना बनाया। चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने अपनी पार्टी के विजयी उम्मीदवारों को बधाई दी। साथ ही चुनाव आयोग पर तीखा तंज कसते हुए उन्होंने आयोग को सत्ताधारी गठबंधन की मदद करने के लिए बधाई दी।

वहीं, शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता और विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने महायुति की सफलता का श्रेय पैसे और बाहुबल को दिया। छत्रपति संभाजीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए दानवे ने कहा कि सत्ताधारी दलों ने संसाधनों का भारी इस्तेमाल किया है, जिसके कारण एमवीए की तुलना में महायुति ने अधिक सीटें हासिल की हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इन परिणामों का असर अगले महीने होने वाले 29 नगर निगमों के चुनावों पर नहीं पड़ेगा, क्योंकि शहरी मतदाता अलग मुद्दों पर मतदान करते हैं।

सके साथ ही उन्होंने कहा, 'मैं याद दिलाना चाहूंगा कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में कुछ जगहों पर कांग्रेस के साथ हाथ मिलाया था।

महाराष्ट्र निकाय चुनावः लातूर की सभी सीटों पर महायुति का कब्जा; चार पर भाजपा का कब्जा, एक NCP के खाते में

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के लातूर जिले में नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों के नतीजों में भाजपा का दबदबा देखने को मिला है। जिले की पांच स्थानीय निकायों में से चार में भाजपा ने अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की है, जबकि एक सीट पर उसकी महायुति सहयोगी एनसीपी को सफलता मिली है। अधिकारियों के अनुसार, भाजपा ने उदगीर, अहमदपुर, निलंगा और रेणापुर नगर निकायों में अध्यक्ष पद जीता है। वहीं, उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी ने औसा नगर परिषद में अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया।

जानें किस नगर परिषद में कौन जीता?

उदगीर नगर परिषद में भाजपा की स्वाति सचिन हुडे ने कांग्रेस प्रत्याशी खादरी अंजुम फातिमा सैयद अब्दुल्ला को हराया। अहमदपुर में भाजपा के स्वप्निल महारुद्र व्हाट्टे ने एनसीपी के अभय बलवंत मिरकले को पराजित किया। निलंगा में भाजपा के प्रमोद संजयराज हलगरकर विजयी रहे, जबकि कांग्रेस के शेख हामिद इब्राहिम दूसरे स्थान पर रहे। इसी तरह रेणापुर में भाजपा की शोभा श्यामराव अकांगिरे ने कांग्रेस की अर्चना प्रदीप माने को हराकर अध्यक्ष पद जीता। औसा में एनसीपी की शेख परवीन नवाबोद्दीन ने जीत दर्ज कर भाजपा के एकाधिकार को चुनौती दी।

बीड की सभी सीटों पर एनसीपी का कब्जा

बीड नगर परिषद में पार्टी की प्रेमलता

परवे की जीत के साथ एनसीपी ने बीड में अपना गढ़ बरकरार रखा। बीड नगर पालिका में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है।

दौंड नगर परिषद चुनाव में एनसीपी की दुर्गादेवी जगदाले की बड़ी जीत

अजित पवार की एनसीपी की उम्मीदवार दुर्गादेवी इंद्रजीत जगदाले ने दौंड नगर परिषद के महापौर चुनाव में बड़ी जीत दर्ज की है। उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी मोनाली वीर को 4,891 मतों के अंतर से हराया। इस जीत के साथ दौंड नगर परिषद में एनसीपी का दबदबा और मजबूत हुआ है। चुनाव नतीजों के बाद दुर्गादेवी जगदाले ने कहा कि यह जीत उन सभी लोगों की है, जिन्होंने उन पर भरोसा जताया और सेवा करने का मौका दिया। उन्होंने कहा कि वह जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने और चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा करने की पूरी कोशिश करेंगी। जगदाले की जीत को स्थानीय राजनीति में अहम माना जा रहा है। समर्थकों ने परिणाम आते ही जश्न मनाया। पार्टी नेताओं ने इसे विकास और जनहित की राजनीति की जीत बताया।

मालेगांव नगर पंचायत चुनाव में शिवसेना ने मारी बाजी

महाराष्ट्र के वाशिम जिले में मालेगांव नगर पंचायत चुनाव में शिवसेना को अहम सफलता मिली है। शिवसेना उम्मीदवार ओम प्रकाश खुर्सडे ने चुनाव जीतकर नगर पंचायत पर कब्जा जमाया। जीत के बाद खुर्सडे ने इसे पूरी तरह जनता की जीत बताते हुए कहा कि लोगों के आशीर्वाद और समर्थन के बिना यह संभव नहीं था। ओम प्रकाश खुर्सडे ने कहा कि चुनाव से पहले पार्टी प्रमुख और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मालेगांव आए थे और उन्होंने यहां बैठक कर कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया था। उनका दौरा इस जीत में बेहद अहम साबित हुआ। खुर्सडे ने कहा कि यह जीत नेताओं से ज्यादा आम जनता की है, जिन्होंने भरोसा जताया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि नगर पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी और जनता से किए गए सभी वादों को पूरा करने की पूरी कोशिश की जाएगी। शिवसेना की इस जीत से क्षेत्र में पार्टी का राजनीतिक आधार और मजबूत हुआ है।

शुरुआती रुझानों में महायुति की जीत, शिंदे बोले- ये बस एक ट्रेलर; उद्धव ठाकरे पर भी साधा निशाना

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

ठाणे। महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों (लोकल बॉडी पोल्स) में जारी मतगणना के बीच उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर जमकर निशाना साधा है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान शिंदे ने रुझानों में महायुति की जीत ऐतिहासिक बताया। उन्होंने दावा किया कि ये नतीजे 15 जनवरी को होने वाले आगामी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनावों का केवल एक 'ट्रेलर' हैं। बता दें कि शुरुआती रुझानों में भाजपा, अजित पवार की एनसीपी और शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का गठबंधन 'महायुति' स्पष्ट बढ़त बनाए हुए थी। शिंदे ने कहा कि ये परिणाम साबित करते हैं कि जनता अब केवल राजनीति के बजाय विकास (डेवलपमेंट) को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि आगामी नगर निगम चुनावों में भी महायुति इसी तरह शानदार प्रदर्शन करेगी।

उप मुख्यमंत्री ने आंकड़ों पर बात करते हुए कहा कि महायुति ने राज्य के 286 स्थानीय निकायों में से 200 का आंकड़ा पार कर लिया है। शिंदे ने दावा किया कि भाजपा ने सेंचुरी बनाई है और शिवसेना ने हाफ सेंचुरी पूरी कर ली है और राज्य में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। उन्होंने कहा, 'कोंकण शिवसेना का गढ़ है। यह सिर्फ मुंबई और ठाणे तक ही सीमित नहीं है, बल्कि राज्य के हर घर तक पहुंच चुका है। जिन इलाकों में पार्टी को हार का सामना

करना पड़ा, वहां भी महायुति की सामूहिक जीत प्राथमिकता रही।'

इसी बातचीत के दौरान उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा मतदाताओं ने उन लोगों को चुनाव में घर बैठा दिया है जो हमेशा घर पर ही बैठे रहते थे। उन्होंने कहा, 'लोगों ने तय कर लिया है कि असली शिवसेना कौन है। हमारी विचारधारा बालासाहेब ठाकरे है। वह आज इस शानदार जीत पर खुश होते। यह राजनीति करने वालों के लिए एक बहुत बड़ा सबक है। उन्होंने कहा जो लोग जनता को नकारते हैं, जनता उन्हें सिरे से नकार देती है।

इसी दौरान जब उनसे उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे (एमएनएस) के संभावित गठबंधन पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने इसे यह कहते हुए टाल दिया कि इसका कोई असर नहीं होगा, क्योंकि लोग केवल काम करने वालों को ही वोट देंगे। अंत में, उन्होंने इस जीत के लिए 'लाड़की बहिन' योजना की महिला लाभार्थियों और समर्पित पार्टी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

बीएमसी चुनाव 2026 को लेकर बीजेपी की अहम बैठक, रणनीति पर हुई चर्चा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई महानगरपालिका चुनाव 2026 की तैयारियों के मद्देनज़र रविवार (21 दिसंबर) को भाजपा चुनाव संचालन समिति की अहम बैठक आयोजित की गई. यह बैठक भाजपा के राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री और महाराष्ट्र प्रभारी शिवप्रकाश की अध्यक्षता में संपन्न हुई. इस दौरान आगामी बीएमसी चुनाव को लेकर पार्टी की प्रचार रणनीति, जनसभाओं की योजना, संगठनात्मक मजबूती और चुनावी प्रबंधन जैसे अहम मुद्दों पर गहन चर्चा की गई.

सूत्रों के अनुसार, बैठक में जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने, मतदाताओं तक पहुंच बढ़ाने और चुनावी अभियान को धार देने को लेकर विस्तार से मंथन हुआ. भाजपा नेतृत्व ने आगामी चुनाव को लेकर स्पष्ट रोडमैप तैयार करने के संकेत दिए हैं. मुंबई महानगरपालिका चुनाव 2026 को देखते हुए इस बैठक को भाजपा की चुनावी तैयारियों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है.

महाराष्ट्र में कब हैं नगर निगम के चुनाव?

बता दें कि बीएमसी समेत महाराष्ट्र नगर निगमों के चुनाव की घोषणी कर दी गई है. निर्वाचन आयोग ने 15 दिसंबर को चुनाव की तारीखों का ऐलान किया था. चुनावी कार्यक्रम के मुताबिक 15 जनवरी को वोट डाले जाएंगे जबकि 16 जनवरी

को चुनाव नतीजे घोषित किए जाएंगे.

बीएमसी चुनाव को लेकर सियासी गतिविधियां तेज

मुंबई सहित 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव घोषित होने के साथ सभी पार्टियां अपनी-अपनी रणनीति को लेकर तेजी से काम कर रही हैं. वहीं आरोप प्रत्यारोप का दौर भी जारी है. हाल ही में बीजेपी विधायक राम कदम ने आरोप लगाते हुए कहा था कि उद्धव ठाकरे चुनाव में रुकावट डालने का प्रयास कर रहे थे.

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, ''उद्धव ठाकरे चुनाव में देरी के इरादे से प्रक्रिया में हेरफेर करने, वोटर लिस्ट में गड़बड़ी करने और बाधाएं पैदा करने की कोशिश की. कोर्ट के आदेशों के बाद आयोग ने अब चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है. बीजेपी के लिए चुनाव हमेशा एक परीक्षा है, लेकिन हम सिर्फ चुनाव देखकर काम नहीं करते, हम आम आदमी के विकास के लिए काम करते हैं.''

दर्दनाक! इंस्टाग्राम पर 'गुड बाय' लिखकर युवक ने दी जान, तापी नदी में लगाई छलांग

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के धुले जिले के शिरपुर तालुका के वाडी खुर्द गांव से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है. यहां 22 साल के युवक उमेश राजेंद्र पाटील ने तापी पुल से कूदकर तापी नदी में आत्महत्या कर ली. यह घटना शनिवार शाम को सामने आई, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई.

आत्महत्या से मचा हड़कंप

उमेश पाटील घर का इकलौता बेटा था और रोजगार के सिलसिले में सूरत की एक कंपनी में काम करता था. वह दो दिन पहले ही गांव किसी काम से आया था. आत्महत्या से पहले उसने इंस्टाग्राम पर तापी नदी के साथ अपनी सेल्फी पोस्ट करते हुए 'गुड बाय' लिखा था. इसके बाद उसने पुल से छलांग लगा दी.

फिलहाल आत्महत्या के पीछे की असली वजह साफ नहीं हो पाई है. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है. इस घटना से परिवार और गांव में शोक का माहौल है.

अंबरनाथ में बोगस मतदान का मामला

वहीं, महाराष्ट्र के अंबरनाथ से बोगस मतदान को लेकर बड़ी कार्रवाई सामने आई है. आरोप है कि शिवसेना (शिंदे गुट) के एक उम्मीदवार द्वारा बोगस मतदान के लिए 200 से ज्यादा महिलाओं को एक सभागृह में इकट्ठा किया गया था. कांग्रेस और भाजपा ने इस मामले की शिकायत की थी.

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सभी महिलाओं को हिरासत में लिया और पूछताछ की. जांच के बाद 174 महिलाओं के खिलाफ अंबरनाथ पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है. चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से कुछ लड़कियां नाबालिग भी पाई गई हैं. पुलिस ने मतदान को प्रभावित करने के लिए अवैध भीड़ जमा करने और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर मतदान की तैयारी करने जैसे आरोपों में केस दर्ज किया है.

साजिश के सूत्रधार की तलाश जारी

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इन महिलाओं को भिवंडी से कौन और किसके कहने पर लाया गया था. सभी महिलाओं को नोटिस देकर छोड़ दिया गया है, लेकिन पूरे नेटवर्क की

गहराई से जांच जारी है.

पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने बताया कि जिस कृष्णा मैरिज हॉल में महिलाओं को ठहराया गया था और संबंधित उम्मीदवार पर भी कार्रवाई की जा रही है. दोनों मामलों ने राज्य में चिंता और बहस का माहौल पैदा कर दिया है.

सम्पादकीय

भाजपा ने बिछाई गजब की चौसर अनुभवी मोहरों को मैदान में उतार कर विरोधियों की मुश्किलें भी बढ़ाईं

तमिलनाडु में 2026 के विधानसभा चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तैयारियों को तेज़ कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में कहा था कि भाजपा का अगला लक्ष्य तमिलनाडु है। इसके बाद पार्टी ने राज्य में संगठनात्मक और राजनीतिक दोनों स्तरों पर सक्रियता बढ़ा दी है। इसी क्रम में भाजपा ने वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को एक बार फिर तमिलनाडु का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है। उनके साथ केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और मुरलीधर मोहोल को सह-प्रभारी बनाया गया है। यह नियुक्तियाँ इस बात का संकेत हैं कि भाजपा राज्य में आगामी चुनाव को बेहद गंभीरता से ले रही है।

हम आपको याद दिला दें कि पीयूष गोयल पहले भी 2019 के लोकसभा चुनावों में तमिलनाडु के प्रभारी रह चुके हैं और उस समय उन्होंने भाजपा तथा अन्नाद्रमुक के बीच गठबंधन को आकार देने में अहम भूमिका निभाई थी। अन्नाद्रमुक के महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पादी के. पलानीस्वामी (ईपीएस) को एक सख़्त और कुशल वार्ताकार माना जाता है और ऐसे में गोयल का अनुभव भाजपा के लिए उपयोगी माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, गोयल सीट बंटवारे के साथ-साथ गठबंधन से जुड़े अन्य संवेदनशील मुद्दों पर भी ईपीएस से बातचीत करेंगे।

हम आपको यह भी बता दें कि भाजपा इस समय अन्नाद्रमुक पर यह दबाव बना रही है कि वह ओ. पन्नीरसेल्वम (ओपीएस) और टी.टी.वी. दिनाकरन जैसे विद्रोही नेताओं को कम से कम एनडीए के सहयोगी के रूप में स्वीकार करे। ईपीएस इन नेताओं को दोबारा अन्नाद्रमुक में शामिल करने के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन भाजपा का मानना है कि इन्हें एनडीए से बाहर रखना मुकुलथोर समुदाय के मतदाताओं को दूर कर सकता है, जिसका नुकसान सीधे-सीधे भाजपा-अन्नाद्रमुक गठबंधन को होगा।

सूत्रों के मुताबिक, ओपीएस ने हाल की बैठकों में भाजपा नेतृत्व को यह भरोसा दिलाया है कि वह फरवरी तक किसी अन्य राजनीतिक विकल्प की ओर नहीं जाएंगे। वहीं टीटीवी दिनाकरन का रुख अधिक आक्रामक माना जा रहा है, क्योंकि वह ईपीएस के नेतृत्व को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। भाजपा नेतृत्व आने वाले हफ्तों में दिनाकरन से भी संपर्क साधने की योजना बना रहा है, ताकि मुकुलथोर वोटों का विभाजन रोका जा सके।

भाजपा ने यह भी स्पष्ट किया है कि वह 2026 के विधानसभा चुनाव में पहले की तुलना में अधिक सीटों की मांग करेगी। पार्टी का दावा है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में उसे लगभग 11 प्रतिशत वोट शेयर मिला था और पूरे एनडीए को करीब 18 प्रतिशत मत प्राप्त हुए। ऐसे में भाजपा 2021 की तरह 20 सीटों पर संतोष नहीं करेगी। पार्टी ने लगभग 50 सीटें अपने लिए और 15 सीटें 'मैत्रीपूर्ण सहयोगियों' के लिए चिन्हित की हैं, जिन पर कमल के चुनाव चिह्न पर उम्मीदवार उतारे जा सकते हैं।

इसी बीच, भाजपा ने असम के लिए भी संगठनात्मक नियुक्तियाँ की हैं। वरिष्ठ नेता बैजयंत पांडा को असम का चुनाव प्रभारी बनाया गया है। पांडा इससे पहले 2021 के असम विधानसभा चुनावों में भाजपा को सत्ता में वापस लाने में अहम भूमिका निभा चुके हैं। यह नियुक्तियाँ यह दर्शाती हैं कि भाजपा चुनावी प्रबंधन में अनुभवी और भरोसेमंद नेताओं पर दांव लगा रही है।

देखा जाये तो तमिलनाडु लंबे समय से भाजपा के लिए एक कठिन राजनीतिक मैदान रहा है। द्रविड़ राजनीति की गहरी जड़ें, भाषा और सांस्कृतिक पहचान का सवाल तथा डीएमके-अन्नाद्रमुक की पारंपरिक पकड़, इन सबके बीच भाजपा को अब तक सीमित सफलता ही मिली है। लेकिन हालिया घटनाक्रम यह संकेत देता है कि भाजपा इस बार केवल 'सहयोगी की भूमिका' में नहीं रहना चाहती, बल्कि राज्य की राजनीति में निर्णायक हस्तक्षेप करने की रणनीति पर काम कर रही है।

पीयूष गोयल की पुनर्नियुक्ति महज़ सामान्य राजनीतिक फैसला नहीं है, बल्कि यह भाजपा की रणनीतिक सोच को दर्शाता है। पीयूष गोयल न केवल एक अनुभवी मंत्री हैं, बल्कि जटिल गठबंधनों को संभालने में भी माहिर माने जाते हैं। उनकी शांत लेकिन दृढ़ कार्यशैली ईपीएस जैसे नेताओं से बातचीत में संतुलन बना सकती है। वहीं अर्जुन मेघवाल का संगठनात्मक अनुभव और संसदीय समझ तथा मुरलीधर मोहोल की युवा ऊर्जा और जमीनी संपर्क क्षमता इस टीम को और मज़बूत बनाती है।

वहीं असम में बैजयंत पांडा की भूमिका भाजपा की उस रणनीति का उदाहरण है, जिसमें चुनावी प्रबंधन को एक पेशेवर कौशल के रूप में देखा जाता है। हम आपको याद दिला दें कि पांडा ने पहले भी साबित किया है कि वह संगठन, सरकार और सहयोगी दलों के बीच समन्वय स्थापित करने में सक्षम हैं। यह मॉडल अब तमिलनाडु में भी लागू किया जा रहा है।

बड़ी कंपनी के सामने केंद्र सरकार कैसे हो जाती है लाचार

देश में कोई ताकतवर कंपनी कैसे कानून का दावपेच इस्तेमाल करके सरकार को उसी के बनाए कानून के जाल में उलझा कर अपना उल्लू सीधा कर सकती है, इंडिगो एयरलाइंस विवाद इसका बड़ा उदाहरण है। इस एयरलांइस ने चार दिन तक हजारों यात्रियों को बंधक जैसी हालत में रखा। इसका फायदा दूसरी विमानन कंपनियों ने उठा कर जम कर चांदी कूटी। इस पूरी हालत के दौरान केंद्र सरकार तमाशबीन रही है। सरकार हवाई यात्रियों को हैरान-परेशान और लुटते हुए देखती रही। जब पानी सिर से गुजरने लगा तक सरकार को होश आया। आखिरकार सरकार को नियमों में छूट देकर एयरलाइंस कंपनी के समक्ष बैकफुट पर आने के लिए विवश होना पड़ा। सरकार ने यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर पायलटों के लिए बनाए गए कायदे-कानून कायदों में ढील देने का निर्णय लेना पड़ा।

केंद्र सरकार ने फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) के नए नियम लागू किए थे। इन नियमों को जनवरी 2024 में लाया गया था। हालांकि, इन्हें अब जाकर पूरी तरह से लागू किया गया। इनमें पायलटों और क्रू मेंबर का ड्यूटी टाइम कर दिया गया है और आराम करने का समय बढ़ा दिया है। ऐसा पायलटों की थकान कम करने और सेफ्टी बढ़ाने के लिए किया गया है। एफडीटीएल के नए नियम तय करते हैं कि पायलट कितनी देर ड्यटी पर रह सकते हैं? कितने घंटे विमान उड़ा सकते हैं? रात में कितनी बार लैंडिंग कर सकते हैं? उन्हें कितना आराम मिलना चाहिए? कितनी बार नाइट ड्यूटी कर सकते हैं? नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इन नियमों को पिछली साल जनवरी में पेश किया था। इन्हें पिछले साल ही 31 मई से लागू किया जाना था। मगर एयरलाइन कंपनियों ने इसके लिए समय मांगा, जिसके बाद इन्हें टाल दिया गया। इसके बाद इन नियमों को इस साल दो फेज में लागू किया गया। इन नियमों का पहला फेज इस साल जुलाई में लागू किया गया।

दूसरा फेज 1 नवंबर से लागू कर दिया गया।

सवाल यह है कि जब नए नियम सभी एयरलाइन कंपनियों पर लागू होते हैं पर इसका सबसे ज्यादा असर इंडिगो पर ही क्यों दिखा? इसका जवाब है कि इंडिगो के पास पायलटों की कमी हो गई है। इंडिगो ने जानबूझ कर यह कमी की। अन्य एयरलाइंस कंपनियों की तरह इंडिगो के पास भी नए पायलटों की भर्ती के लिए पर्याप्त समय था, किन्तु कंपनी ने भारी आर्थिक भार को टालने के लिए भर्ती नहीं की। कंपनी ने बड़ी चालाकी से सरकार को उसी के बनाए नियमों में फांस कर इनमें ढील देने के लिए विवश कर दिया। इसके लिए कंपनी ने यात्रियों को मोहरा बनाया। यह जानते हुए भी कि कंपनी के पास पायलटों की कमी है, लगातार बुकिंग जारी रखी। फिर अचानक हाथ खड़े कर दिए। हजारों यात्रियों के फंसे होने से जब देश में हाहाकार मचा तो केंद्र सरकार को नए नियमों में ढील देने के लिए झुकना पड़ा।

डीसीजीए ने कहा कि वर्तमान स्थिति को देखते हुए नियमों में ढील दी जा रही है। डीजीसीए ने उन नियमों में ढील दी है, जो अहमदाबाद फ्लाइट क्रैश के बाद लागू किए गए थे। साथ ही अभी क्राइसिस के समय पायलटों से मदद की अपील की डीजीसीए ने अब इंडिगो से एक डिटेल्ड रोडमैप जमा करने को कहा, जिसमें उससे क्रू की भर्ती, क्रू की ट्रेनिंग का प्लान, रोस्टर रिस्ट्रक्चरिंग और सेफ्टी रिस्क असेसमेंट का प्लान मांगा गया है। इसके साथ ही डीजीसीए ने इंडिगो को हर 15 दिन में एक प्रोग्रेस रिपोर्ट भी देने को कहा है। सरकार की ओर से केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने सफाई दी कि यह फैसला केवल यात्रियों के हित में लिया गया है, खासकर वरिष्ठ नागरिकों, छात्रों, मरीजों और जरूरी यात्रा करने वालों को राहत देने के लिए।

मंत्रालय ने एयरलाइनों के साथ कम से कम छह महीने तक निरंतर संवाद भी किया। पहले इस नियम के बारे में कोई समस्या नहीं थी। एअर इंडिया और स्पाइसजेट जैसी अन्य एयरलाइन ने अपने संचालन को ढाल लिया। लेकिन जो हुआ वह इंडिगो की चालक दल (क्रू) के प्रबंधन की गड़बड़ी के कारण हुआ। नायडू ने कहा कि हमने सामान्य स्थिति सुनिश्चित करने के लिए इंडिगो को एफडीटीएल नियमों में कुछ छूट दी है। इंडिगो संकट के बीच सरकार द्वारा पायलटों के नए उड़ान ड्यूटी समय सीमा नियम (एफडीटीएल) को तत्काल प्रभाव से फिलहाल स्थगित करने के फैसले की पायलट संघ ने कड़ी आलोचना की है। एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने डीजीसीए को एक पत्र लिखते हुए कहा कि यह फैसला सुरक्षा से सीधा समझौता है। पायलटों की थकान से यात्रियों की जान खतरे में पड़ सकती है।

एसोसिएशन के अनुसार, इंडिगो ने जानबूझकर यह संकट खड़ा किया, जिससे उसे नियमों में ढील मिल सके। इसलिए इंडिगो के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और एफडीटीएल के दूसरे चरण के नियमों को पूरी तरह लागू किए जाएं बिना किसी भी एयरलाइन को इसमें छूट दिए। एसोसिएशन ने इंडिगो प्रबंधन के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि रात्रिकालीन ड्यूटी से संबंधित मानदंडों में ढील से इंडिगो को अपने परिचालन को स्थिर करने में मदद मिलेगी, लेकिन यह छूट एक खतरनाक मिसाल कायम करेगी। डीजीसीए ने 25 नवंबर की बैठक में इस बात पर सहमति जताई थी कि किसी भी ऑपरेटर को, खासकर व्यावसायिक हितों से प्रेरित, कोई छूट या बदलाव नहीं दिया जाएगा। सभी ऑपरेटरों के पास नए एफडीटीएल को लागू करने के लिए लगभग दो साल का समय था, और वह भी दो चरणों में। इस पर्याप्त समय के बावजूद इंडिगो अपना रोस्टर तैयार करने में विफल रही और इसके बजाय एयरलाइन ने 2025 की सर्दियों के लिए अपने परिचालन को बढ़ा दिया।

एसोसिएशन ने कहा कि ये घटनाएं गंभीर चिंताएं पैदा करती हैं कि सार्वजनिक असुविधा के बहाने व्यावसायिक लाभ के लिए सरकार पर दबाव डालने के लिए एक कृत्रिम संकट पैदा किया गया था। इंडिगो को चुनिंदा छूट देकर, डीजीसीए ने अन्य सभी ऑपरेटरों के लिए अपने परिचालन, वाणिज्यिक या समय-सारिणी संबंधी कारणों का हवाला देकर एफडीटीएल नागरिक उड्डयन आवश्यकता से समान छूट की मांग करने का रास्ता खोल दिया है। यह नागरिक उड्डयन आवश्यकता के मूल सिद्धांत और उद्देश्य को ही कमजोर करता है। एसोसिएशन ने मांग की है कि डीजीसीए इंडिगो को दी गई सभी छूट तुरंत वापस ले और एयरलाइन के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई शुरू करे।

संघ के अनुसार, इंडिगो ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि उन्होंने अपनी परिचालन क्षमता का गलत आकलन किया था; फिर भी, जनता को भारी असुविधा पहुंचाने के लिए उन्हें फटकार लगाने या दंडित करने के बजाय, डीजीसीए ने उन्हें और छूट दे दी। इस कार्रवाई ने न केवल परिचालन कुप्रबंधन को बढ़ावा दिया है, बल्कि यात्रियों की जान को भी सीधे खतरे में डाल दिया है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारी किरकिरी के बाद केंद्र सरकार इंडिगो के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के बजाए पूरे मामले की लीपापोती करने में लगी हुई है। होना तो यह चाहिए था कि इंडिगो प्रबंधन के खिलाफ देश में जानबूझ कर अराजकता फैलाने का मामला दर्ज करके गिरफ्तारी की जाती, ताकि दूसरी कंपनियों को मुनाफे के लिए ऐसी हरकत करने की चेतावनी मिल सके। इसके विपरीत केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने 10इ उड़ानों में कटौती का आदेश देकर इंडिगो को बख्श दिया।

नायडू ने कहा कि पिछले हफ्ते इंडिगो के क्रू रोस्टर, फ़्लाइट शेड्यूल और कम्युनिकेशन की कमी के कारण कई यात्रियों को बहुत परेशानी हुई। जांच और जरूरी कार्रवाई चल रही है। महज 10 प्रतिशत उड़ान में कटौती जैसा प्रतीकात्मक दंड देने की औपचारिकता से ऐसी कंपनियों के कामकाज और आर्थिक मुनाफे के लालच की प्रवृत्ति पर अंकुश नहीं लग सकेगा। केंद्र सरकार का चाहिए कि इंडिगो के खिलाफ ऐसी कार्रवाई करे, जोकि देश में नजीर बन सके, ताकि फिर कोई कंपनी आम लोगों से खिलवाड़ नहीं कर सके। अन्यथा यही माना जाएगा देश कानून से नहीं कंपनियों की मनमानी से चलता है।

सोशल मीडिया पर हजार संपर्क, फिर भी अकेलापन; भीड़ के दौर में रिश्तों का सच

मनुष्य मूल रूप से सामाजिक प्राणी है। वह अकेला रहकर नहीं, संबंधों में रहकर जीवन को सार्थक बनाता है। संवाद, अपनापन और सहयोग उसकी आत्मा की मूल आवश्यकताएं हैं। मगर समय के साथ इस सामाजिकता की परिभाषा बदल गई है। अब मनुष्य संबंधों की गहराई से अधिक संपर्कों की संख्या पर ध्यान देने लगा है। उसे यह भ्रम हो गया है कि जितने अधिक लोग उसके आसपास होंगे, उतना ही बड़ा उसका प्रभाव और अस्तित्व होगा। यहीं से आरंभ होती है उस भीड़ की यात्रा, जो आखिरकार उसे एक गहरे एकाकीपन की ओर ले जाती है।

हम अपने आसपास ही ऐसे तमाम उदाहरण देख सकते हैं, जिसमें किसी के सोशल मीडिया पर हजारों दोस्त होंगे, लेकिन जब वास्तव में जरूरत पड़ती है, तब पास और साथ खड़ा होने वाला एक भी नहीं होता। यह भीड़ में अकेलेपन का वह दंश है, जिसके दर्द का एहसास सच की जमीन पर उतरने के बाद होता है।

पहले के समय में संबंध सहज और सच्चे होते थे। लोगों के बीच मिलने-जुलने में आत्मीयता होती थी, भावनाएं जीवंत रहती थीं। किसी का दुख सबका दुख होता था, किसी की खुशी में पूरा मोहल्ला शामिल होता था, लेकिन आधुनिक युग में यह परंपरा धीरे-धीरे क्षीण हो गई है। अब हर व्यक्ति 'नेटवर्किंग' या संजाल के नाम पर लोगों से जुड़ तो रहा है, पर आत्मीयता और स्नेह के सूत्र कहीं पीछे छूट गए हैं।

आज की पीढ़ी 'कांटैक्ट लिस्ट' यानी अपने फोन में ढेर सारे लोगों के नंबरों से भले भरी हो, पर जीवन भीतर से खाली है। लोग मिलते हैं, बातें करते हैं, मुस्कराते हैं, पर भीतर कोई जुड़ाव नहीं होता। रिश्ते कई बार किसी न किसी स्वार्थ के आधार पर खड़े दिखते हैं। यह स्वार्थपूर्ण संबंध अस्थायी होते हैं, जिनकी उम्र किसी अवसर से अधिक नहीं होती। यही कारण है कि व्यक्ति भीड़ में रहकर भी अपने भीतर एक गहरी निस्तब्धता महसूस करता है।

सामूहिक बोध के नाम पर भीड़ इकट्ठा कर उन्माद में झोंकने की राजनीति आजकल छिपी नहीं है। बल्कि इसे थोड़ा गौर से देखें तो व्यक्ति को भीड़ में तब्दील करने की एक तरह की सियासत चल रही है। दिलचस्प यह है कि यह सियासत करने वाला व्यक्ति निजी रूप से भीड़ को सिर्फ तैयार और निर्देशित करता है। यहां तक कि उसमें अपने परिवार और बच्चों को शामिल नहीं होने देता, लेकिन इससे इतर वह सामूहिकता के नाम पर लोगों को भीड़ बनाने के काम पर लगा होता है।

जब मन लौटने को कहे, क्या हर वापसी नई शुरुआत होती है या कमजोर समझी जाने वाली साहसी यात्रा?

जबकि भीड़ व्यक्ति को एक

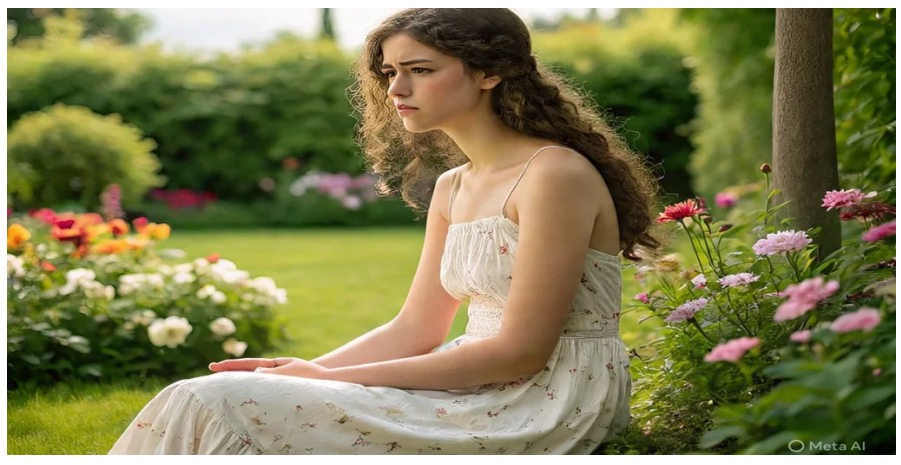

झूठा विश्वास देती है कि वह महत्त्वपूर्ण है और किसी दायरे का केंद्र है। पर जब जीवन कठिन मोड़ पर आता है, तो यही भीड़ सबसे पहले गायब हो जाती है। तालियां बजाने वाले बहुत मिलते हैं, पर गिरने पर हाथ थामने वाले शायद ही दो-चार होते हैं। भीड़ की यह क्षणिकता मनुष्य को भीतर तक हिला देती है, क्योंकि तब उसे एहसास होता है कि उसने जिन्हें अपना समझा, वे केवल उपस्थितियां थीं, अपनापन नहीं।

जीवन का सत्य यही है कि मनुष्य की शक्ति उसके संबंधों की गहराई में है, गणना में नहीं। गिने-चुने सच्चे लोग हजार औपचारिक परिचितों से कहीं अधिक मूल्यवान होते हैं। जब संसार से स्नेह की अपेक्षा टूटती है, तब यही कुछ लोग अपने मौन संबल और सहारे से जीवन को अर्थ देते हैं। इन्हीं रिश्तों की सच्चाई समय की कसौटी पर खरा उतरती है।

कठिनाई यह है कि यह समझ अक्सर बहुत देर से आती है। जब ठोकरें खा ली जाती हैं, जब दिखावटी मित्रता की परतें उतर जाती हैं और सामने रह जाता है केवल सन्नाटा। तब एहसास होता है कि भीड़ जमा करने की लालसा में हमने अपने सच्चे लोगों को खो दिया। यह आत्मबोध पीड़ादायक भी है और शिक्षाप्रद भी।

दार्शनिक दृष्टि से देखें तो यह स्थिति मनुष्य के अहंकार और माया से जुड़ी है। अहंकार उसे अधिक पहचान पाने की आकांक्षा देता है और माया उसे भ्रम में रखती है कि प्रसिद्धि ही संबंधों का पर्याय है। पर सच इससे बिल्कुल उलट है। जो व्यक्ति स्वयं से नहीं जुड़ा, वह दूसरों से सच्चा जुड़ाव कभी नहीं बना सकता।

जीवन में स्थायी शांति तभी संभव है जब व्यक्ति भीड़ से नहीं, स्वयं से संवाद करना सीख ले। जब वह यह समझ जाए कि दिखावे के रिश्तों की जगह सच्चे, सीमित और स्थायी संबंध अधिक मूल्यवान हैं। वह मनुष्य कभी अकेला नहीं होता, जिसके पास कुछ सच्चे लोग हों, चाहे दुनिया उसके आसपास हो या न हो। यही समझ उसे बाहरी कोलाहल से मुक्त करती है।

भीड़ किसी को एक भ्रम से लैस अस्थायी पहचान दे सकती है, पर सहारा नहीं। लोकप्रियता क्षणिक होती है, पर आत्मीयता स्थायी। इसलिए व्यक्ति को चाहिए कि वह अपने जीवन में उन रिश्तों को संजोए, जो दिखावे से नहीं, सच्चाई से बने हों। आखिर वही रिश्ते उसके कठिन समय में ढाल बनकर खड़े होते हैं।

दुनिया बदलने से पहले खुद को मजबूत बनाना क्यों जरूरी? संतुलन के साथ जीना और मदद का असली मूल्य समझें

अंत में यही कहा जा सकता है कि मनुष्य का मूल्य उसके आसपास की भीड़ से नहीं, उसकी आत्मीयता से आंका जाना चाहिए। भीड़ के बीच रहकर भी जो व्यक्ति अपने भीतर की शांति को बचाए रखता है, वही सच में जीना जानता है। जीवन का सार यही है-भीड़ से भरे संसार में भी अपने भीतर सच्चाई और संबंधों की ऊष्मा को जीवित रखना। यही एकाकीपन को आत्मसंतोष में बदल देता है, और यही जीवन का सच्चा दर्शन है।

घटती युवा आबादी और बढ़ता बुजुर्ग भारत, आने वाले कल की चेतावनी

किसी भी देश या समाज की असली ताकत उसके युवा होते हैं। भारत इस समय दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है। संयुक्त राष्ट्र की घोषणा के अनुसार भारत की पचास फीसद से अधिक आबादी पच्चीस साल से कम उम्र के युवाओं की है और पैंतीस साल से कम उम्र के युवा भारत में पैंसठ फीसद हैं। देश के लिए यह प्रसन्नता की बात है। मगर सामाजिक स्थितियां इशारा कर रही हैं कि इस खुशी की आयु बहुत लंबी नहीं है। देश वृद्ध आबादी के झुकते संतुलन की तरफ बहुत तेजी के साथ बढ़ रहा है। इस बात की पुष्टि विविध आंकड़ों से भी होती है। अनुमान है कि वर्ष 2046-47 तक भारत बुजुर्गों का देश हो जाएगा। यानी यहां युवाओं की तुलना में वृद्धों की संख्या अधिक हो जाएगी।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2011 में भारत में साठ वर्ष से अधिक आयु के लोगों की आबादी 10.16 करोड़, यानी देश की कुल आबादी की लगभग 8.4 फीसद थी। अनुमान के मुताबकि, अगले दस वर्षों में यह आबादी बढ़ कर दोगुनी और कुल आबादी की 10.5 फीसद हो गई। बताया जाता है कि वर्तमान में देश में साठ वर्ष से अधिक आयु वालों की जनसंख्या कुल आबादी की लगभग बारह फीसद से कुछ अधिक है। वर्ष 2036 में देश की कुल आबादी 153 करोड़ हो सकती है और तब तक बुजुर्गों की आबादी लगभग 23 करोड़ यानी पंद्रह फीसद हो जाएगी। यानी वर्ष 2036 में देश का हर सातवां व्यक्ति साठ साल से अधिक आयु का होगा।

इसी प्रकार, अनुमान है कि वर्ष 2050 में देश की लगभग 21 फीसद आबादी वरिष्ठ नागरिकों की होगी। वर्ष 2075 में भारत की कुल आबादी 1.6 अरब होने का अनुमान है, जिसमें लगभग 32 फीसद हिस्सेदारी साठ साल से अधिक आयु वर्ग के लोगों की होगी। यानी 2075 में देश का हर तीसरा व्यक्ति वरिष्ठ होगा।

वर्तमान में भारत की आबादी की औसत आयु उनतीस वर्ष बताई जाती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2021 में देश में पंद्रह से उनतीस वर्ष आयु के मध्य के युवाओं की कुल संख्या 37.14 करोड़ थी, जो कुल जनसंख्या की लगभग 28 फीसद है। इसके अलावा, पैंतीस साल से कम उम्र के युवाओं की भागीदारी 65 फीसद से भी अधिक थी, लेकिन अब इसमें गिरावट आने लगी है। अनुमान है कि वर्ष 2036 में देश की आबादी में युवाओं की भागीदारी घट कर लगभग 22.7 फीसद रह जाएगी। इस तस्वीर का साफ संकेत है कि युवा आबादी घटने से देश के जन-बल और कार्यबल में कमी आएगी।

दरअसल, पिछले दो दशकों से देश में बच्चों की आबादी भी तेजी से घट रही है। जबकि दूसरी तरफ चिकित्सा सुविधा तथा जीवन स्तर में सुधार के कारण आम आदमी की जीवन प्रत्याशा लगातार बढ़ रही है। आम आदमी की औसत आयु में वृद्धि तक तो बात ठीक है, लेकिन

नवजातों की जन्म दर में कमी चिंता का विषय है। यह प्रवृत्ति इस कारण भी चिंता का विषय है कि बच्चों की जन्म दर में गिरावट आकस्मिक नहीं, बल्कि ऐच्छिक और सुविचारित भी है।

इस समस्या का एक बड़ा कारण है शादियों में विलंब तथा युवा पीढ़ी का अपने दायित्वों से पलायन। अब से लगभग चार दशक पहले शादियां औसतन पच्चीस-छब्बीस वर्ष की आयु तक हो जाया करती थीं। मगर करिअर का दबाव, जीवनशैली में बदलाव तथा सुरक्षित भविष्य की अनिश्चितता के कारण आज तीस-बत्तीस की उम्र शादी की सामान्य उम्र बन चुकी है। अधिकांश मामलों में तो यह उम्र पैंतीस या उससे भी ऊपर पहुंच चुकी है। वैवाहिक विज्ञापनों में नब्बे फीसद से अधिक युवा तीस वर्ष से अधिक आयु के होते हैं।

चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, महिलाओं की प्रजनन क्षमता बीस से सत्ताईस वर्ष की आयु के दौरान चरम पर होती है। तीस वर्ष की उम्र के बाद प्राकृतिक रूप से आने वाले बदलाव की वजह से इसमें कमी आने लगती है। इसी प्रकार, पुरुषों में भी उम्र के मुताबिक कई तरह के कुदरती बदलाव आते हैं। यही कारण है कि समाज में निस्संतान दंपतियों की संख्या बढ़ रही है, जिससे अंततः युवा आबादी कम हो रही है।

एक और विसंगति यह है कि आज की युवा पीढ़ी विवाह को लेकर अरुचि दिखाने लगी है। कुछ युवा इस मामले में भय और विरक्ति का शिकार भी हो रहे हैं। सहजीवन के चलन से इस प्रवृत्ति को और अधिक बढ़ावा मिल रहा है। न सिर्फ इतना, बल्कि विवाहित जोड़ों में भी एक बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है जो विवाह के बावजूद बच्चे पैदा करने तथा उसका पालन-पोषण करने की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं हैं।

विशेष रूप से जहां पति और पत्नी दोनों नौकरी में हैं, वहां बच्चा पैदा करना एक अवांछित बोझ माना जाने लगा है। हालांकि इसमें घरेलू कार्य का बंटवारा एक बड़ा कारक है। संयुक्त परिवारों के विघटन ने इस सोच को और अधिक बल दिया है। एक विरोधाभास यह है कि जहां देश में औसत मृत्यु दर में कमी आई है, वहीं दूसरी तरफ युवाओं की मृत्यु दर में वृद्धि हुई है। अध्ययन बताते हैं कि आत्महत्या तथा दुर्घटना युवाओं की मृत्यु के प्रमुख कारण बन रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार युवाओं की मौत की बड़ी वजह आत्महत्या है। पारिवारिक जिम्मेदारी, मानसिक तनाव, असुरक्षित भविष्य, नशे की लत तथा नौकरी और पढ़ाई का दबाव आदि वे कारण हैं जो युवाओं को संकट की तरफ धकेल रहे हैं।

युवाओं की आबादी के इस रुख के पीछे एक बड़ा कारण सरकार की परिवार नियोजन की नीति भी है। पंद्रह फरवरी 2000 को घोषित भारत की जनसंख्या नीति का उद्देश्य वर्ष 2045 तक देश की जनसंख्या दर को स्थिर करना है। हालांकि अपने देश में परिवार नियोजन को लेकर सख्ती नहीं है। फिर भी विविध माध्यमों से इसे प्रोत्साहन अवश्य दिया जा रहा है।

पड़ोसी देश चीन इस तरह की सख्ती का दुष्परिणाम भुगत चुका है। चीन में वर्ष 1979 से 2015 तक एक बच्चा नीति बहुत सख्ती के साथ लागू की गई। इस का नतीजा यह निकला कि चीन में न सिर्फ वृद्धों की संख्या बढ़ गई, बल्कि समाज में स्त्री-पुरुष का अनुपात भी गड़बड़ा गया।

हार कर चीन सरकार ने 2016 में दो बच्चे पैदा करने की छूट दी। उससे भी बात बनती नहीं दिखी तो मई 2021 में तीन बच्चों तक की अनुमति दी गई। अंततः 26 जुलाई 2021 से चीन सरकार ने परिवार नियोजन संबंधी सारे प्रतिबंध हटा लिए।

हमें चीन की इस असहज स्थिति से सबक लेना चाहिए। देश की घटती युवा शक्ति भविष्य के लिए खतरे की घंटी है। लिहाजा अपने देश में युवाओं की घटती संख्या को अब गंभीरता से लिया जाए और भविष्य में भारत को बुजुर्गों का देश होने से बचा लिया जाए।

प्रयागराज माघ मेला 2026 : डॉ. अनिल प्रभाकर शास्त्री के सानिध्य में भव्य भूमि पूजन संपन्न

पार्थिव शिवलिंग शिविर की तैयारियां तेज

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला 2026 के अंतर्गत आज एक अत्यंत पावन, भव्य एवं आध्यात्मिक वातावरण में भूमि पूजन का विधिवत आयोजन संपन्न हुआ। पूज्य गुरुदेव पं. देवप्रभाकर शास्त्री 'दद्दा जी' की पुण्य स्मृति में, पूज्य बड़े भैया डॉ. अनिल प्रभाकर शास्त्री के दिव्य सानिध्य एवं आशीर्वाद से आयोजित होने वाले असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण, महारुद्राभिषेक एवं सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा महायज्ञ के लिए यह भूमि पूजन यज्ञ के संयोजक योगेश चंद्र यादव के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न कराया गया।

मेला प्रशासन द्वारा आवंटित भूमि पर जैसे ही भूमि पूजन संपन्न हुआ, संपूर्ण परिसर 'हर-हर महादेव' के गगनभेदी उद्घोष से भक्तिमय हो उठा। भूमि पूजन के साथ ही पार्थिव शिवलिंग निर्माण शिविर, यज्ञ मंडप, कथा पंडाल एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़ी तैयारियां तेज़ी से प्रारंभ कर दी गई हैं।

इस अवसर पर डॉ. अनिल प्रभाकर शास्त्री ने अपने संदेश में कहा– 'माघ मेला क्षेत्र में होने वाला यह महायज्ञ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मिक शुद्धि, लोककल्याण और सामाजिक समरसता का विराट माध्यम है। पार्थिव शिवलिंग निर्माण और श्रीमद् भागवत कथा के माध्यम से जन-जन में शिवभक्ति, सद्भाव और संस्कारों का प्रसार होगा। मैं सभी श्रद्धालुओं से आह्वान करता हूं कि वे इस पुण्य अवसर में सहभागी बनें और आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करें।'

भूमि पूजन के पश्चात यह दिव्य आयोजन 13 जनवरी से 19 जनवरी 2026 तक माघ मेला क्षेत्र में संपन्न होगा, जिसमें असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण

भव्य आयोजन किया जाएगा।

यह आयोजन प्रतिवर्ष गुरुदेव दद्दा की कृपा से श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ संपन्न होता आ रहा है, जिसमें देश-विदेश से हजारों कल्पवासी एवं श्रद्धालु सहभागिता करते हैं।

इस आध्यात्मिक महायज्ञ में बॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता एवं 'कॉमेडी के बादशाह' राजपाल यादव तथा वरिष्ठ अभिनेता आशुतोष राणा की विशेष सहभागिता भी प्रस्तावित है। दोनों कलाकार धार्मिक आयोजनों में अपनी गहरी आस्था के लिए जाने जाते हैं, जिनकी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा और भव्यता और अधिक बढ़ेगी।

भूमि पूजन अवसर पर यज्ञ से जुड़े सभी गुरु भाईगण उपस्थित रहे। विशेष रूप से अठई राम यादव, बबलू यादव, मोहित शुक्ला, सुधीर, अजय जायसवाल, विनोद, मनोज पांडे, गुड्डू यादव, शिवकांत, ईसू राज यादव, मंजेंद्र हित समस्त गुरु भाइयों की उपस्थिति ने आयोजन को और अधिक सशक्त एवं प्रेरणादायी बनाया।

सेक्टर-6 दक्षिण, ओल्ड जी.टी. मार्ग (झूंसी की ओर), माघ मेला क्षेत्र, प्रयागराज। यज्ञ के संयोजक योगेश चंद्र यादव ने बताया कि भूमि पूजन के साथ ही सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने का कार्य तेज़ी से चल रहा है। उन्होंने कहा– 'यह महायज्ञ आस्था के साथ-साथ समाज को जोड़ने वाला एक आध्यात्मिक अभियान है, जिसमें हर वर्ग के लोगों की सहभागिता अपेक्षित है।'

वहीं मीडिया प्रभारी शनि केसरी ने जानकारी देते हुए कहा– 'डॉ. अनिल प्रभाकर शास्त्री के मार्गदर्शन में संपूर्ण आयोजन को दिव्य, भव्य और अनुशासित स्वरूप दिया जा रहा है। देश-विदेश से आने वाले कल्पवासियों एवं श्रद्धालुओं से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं श्रीमद् भागवत कथा का पुण्य लाभ अर्जित करें।'

प्रयागराज माघ मेला 2026 के इस दिव्य आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है और भूमि पूजन के साथ ही इस महायज्ञ की आध्यात्मिक यात्रा ने विधिवत गति पकड़ ली है।

शिक्षक भर्ती, शिक्षा मित्रों की दुर्दशा, पुरानी पेंशन आदि मुद्दों पर सपा एलएलसी डॉ मानसिंह यादव ने सदन में सरकार को घेरा

प्रयागराज। विधानपरिषद के चालू सत्र में शिक्षक भर्ती, शिक्षा मित्रों की दुर्दशा, पुरानी पेंशन जैसे मुद्दों को लेकर सपा एलएलसी डॉ मानसिंह यादव ने सरकार को जमकर घेरा । सपा एलएलसी ने कहा कि प्राथमिक एवं जूनियर शिक्षकों के लगभग 1लाख 20 हज़ार से अधिक पद रिक्त हैं । माध्यमिक विद्यालयों में भी 20 हजार पद पर भर्ती होना है लेकिन सरकार शिक्षकों की भर्ती में गंभीर नहीं है । आन्दोलन कर रहे निर्दोष छात्रों पर पुलिस बदसलूकी कर जेल में बंद कर रही है । 69 हजार प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती में आरक्षण पूरा नहीं हुआ है । सरकार की कार्य प्रणाली से जहां बेरोजगारी बढ़ी है वहीं शिक्षा भी प्रभावित हो रही है । उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र के निर्माण में आधारशिला होती है । जबकि डबल इंजन की सरकार कंपोजिट शराब की दुकानों को खोलने में जुटी हुई है । उन्होंने कहा कि शिक्षा मित्रों के मामले में समान कार्य समान वेतन का भुगतान किया गया होता तो भारी संख्या में शिक्षा मित्र आत्म हत्या नहीं करते ।

डॉ अंबेडकर के विचारों को दुहराते हुए कहा कि 'शिक्षा शेरनी का वह दूध है जिसको जो जितना पियेगा वह उतना ही दहाड़ेगा।

एलटी में पूछा सवाल, कब शुरू हुआ था ऑपरेशन सिंदूर

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में एलटी ग्रेड (सहायक अध्यापक) की गृह विज्ञान और वाणिज्य विषयों की भर्ती के लिए प्रारंभिक परीक्षा रविवार को दो पालियों में क्रमशः 200 और 150 केंद्रों पर कराई गई। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर नगर, वाराणसी, आगरा, गोरखपुर और मेरठ में परीक्षा केंद्र बनाए थे। सुबह नौ से 11 बजे की पहली पाली में आयोजित गृह विज्ञान की परीक्षा में पंजीकृत 89223 अभ्यर्थियों में से लगभग 62.18 प्रतिशत उपस्थित रहे जबकि तीन से पांच बजे की दूसरी पाली में आयोजित वाणिज्य की परीक्षा में पंजीकृत 66165 अभ्यर्थियों में से तकरीबन 46.26 प्रतिशत उपस्थित रहे। परीक्षा नियंत्रक हर्ष देव पांडेय के अनुसार परीक्षा सकुशल, निर्विघ्न एवं शुचितापूर्वक हुई। दो घंटे के प्रश्नपत्र में दो-दो अंकों के 150 सवाल (सामान्य अध्ययन के 30 तथा प्रत्येक मुख्य विषय के 120 प्रश्न पूछे गए थे। वाणिज्य विषय में सामान्य अध्ययन में एक प्रश्न पूछा था कि ऑपरेशन सिंदूर किस तिथि को प्रारंभ हुआ था। मौलिक अधिकारों का संरक्षक कौन है, किस राज्य सरकार ने पिंक ई-रिक्शा योजना का शुभारंभ किया, दिल्ली का प्रथम सुल्तान कौन था जिसने खेती की भूमि की नाप कराई। गृह विज्ञान में सामान्य अध्ययन का प्रश्न पूछा था कि इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) की पहली महिला कुलपति के रूप में किसे नियुक्त किया गया, किस देश ने युद्ध क्षेत्रों में ड्रोन प्रौद्योगिकीयों का परीक्षण करने के लिए 'ड्रोन प्रहार अभ्यास' आयोजित किया, किस अनुच्छेद के तहत भारतीय संविधान में निजता के अधिकार को मान्यता दी गई है। गृह विज्ञान में 369 और वाणिज्य में 58 पद हैं। बोले अभ्यर्थी, सामान्य स्तर का था प्रश्नपत्र सीएवी इंटर कॉलेज में गृह विज्ञान की परीक्षा देने पहुंचीं प्रतापगढ़ रुली पाठक ने बताया कि सारे सवाल औसत स्तर के थे। जौनपुर की शोभी सिंह के अनुसार पेपर इतना सरल था कि अगर इंटर का लड़का एक माह तैयारी करके बैठता तो वह भी कर लेता। वाणिज्य विषय की परीक्षा देने पहुंचे जौनपुर के अरुण कुमार मौर्य ने कहा कि पेपर सही गया है, सारे सवाल औसत स्तर के रहे। जौनपुर के ही आकाश मौर्य को भी प्रश्नपत्र औसत दर्जे का लगा।

पत्थर गिरजाघर में क्रिसमस का उल्लास

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। ऑल सेंट कैथेड्रल चर्च की ओर से रविवार को पत्थर गिरजाघर में संडे स्कूल के बच्चों ने उल्लास के साथ क्रिसमस ट्री उत्सव मनाया। मुख्य अतिथि बिशप मॉरिस एडगर दान ने मसीही समुदाय व बच्चों को क्रिसमस की शुभकामनाएं दी। बच्चों ने यीशु मसीह के जन्म की कथा पर केंद्रित नाटक की प्रस्तुति की तो समूह नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति की। मसीहियों ने गुब्बारे उड़ाया। बच्चों को क्रिसमस उपहार भेंट किया गया। संचालन डॉ. विनीता इसुवियस ने किया। इस मौके पर सचिव पादरी प्रवीण मैसी, कमला सिंह, अमित सैमुअल, अरुण पाल, सुनील वर्मा, सैमसन मैसी आदि मौजूद रहे।

भगवान की कृपा भक्ति की रस से प्राप्त होती है : डा अनिरुद्ध जी महाराज

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। दिव्य अध्यात्म राष्ट्र सेवा मिशन प्रयागराज एवं दिव्य श्री राधा सखी मंडल के द्वारा मुंशी राम प्रसाद की बगिया नारायण वाटिका मुट्ठीगंज में प्रखर राष्ट्र चिंतक डॉ अनिरुद्ध जी महाराज ने भक्तों को षष्ठम दिवस की श्री भक्त माल कथा का रस प्रवाह करते हुए कहा कि भगवान की कृपा भक्ति के रस से प्राप्त होती है इस कलियुग में भगवान के भक्तो ने अपनी निष्काम भक्ति से भगवान का दर्शन प्राप्त किया है। आज कि कथा में पंचायती अखाड़े महंत जगतारमुनी पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पूर्व वाइस चांसलर गिरीशचंद्र त्रिपाठी, पूर्व विधायक उदय भान करवरिया ने कहा कि संतों और भक्तों की कृपा से आज हमारा राष्ट्र अध्यात्म के बल पर परम वैभव की ओर बढ़ रहा है। कथा में आए सभी अतिथियों को मिशन के संरक्षक कुमार नारायण और विजय वैश्य ने राधा रानी की तस्वीर देकर स्वागत किया। इस अवसर कथा में आए हुए सभी अतिथियों ने आरती की कथा का संचालन राजेश केसरवानी ने किया। कथा में पार्षद अनुपमा पांडे डाक्टर विनोद जायसवाल प्रमिल केसरवानी विजय वैश्य प्यारेलाल जायसवाल, प्यारेलाल जायसवाल शिवबाबू त्रिपाठी,अजय जायसवाल, सुशील जैन ,अभिलाष केसरवानी, आयुष श्रीवास्तव संतोष अग्रहरि,विवेक अग्रवाल आदि सैकड़ो भक्तगण उपस्थित रहे।

वंदे मातरम् का गान राष्ट्र का यशगान और प्राण : डा उदय प्रताप सिंह

महापौर गणेश केसरवानी ने सामूहिक वन्दे मातरम् यात्रा का स्वागत किया और कहा राष्ट्र विरोधी के लिए काल बनेगा वंदे मातरम का गान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। प्रयाग उत्थान समिति के तत्वाधान में समिति के अध्यक्ष एवं ठाकुर हरनारायण सिंह ग्रुप आफ कॉलेज के डायरेक्टर डॉक्टर उदय प्रताप सिंह के नेतृत्व में तिरंगा झंडा लहरा कर राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् के गीत और उद्घोष कर सामूहिक वंदे मातरम यात्रा का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश आज राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वीं वर्षगांठ मना रहा है लेकिन इस देश के अंदर आज भी कांग्रेस सपा जैसे तथाकथित राजनैतिक दल अपने वोट बैंक के लिए राष्ट्र विरोधी ताकतों को मजबूत करने के लिए।

वंदे मातरम गीत का अपमान करते हैं जिसे अब किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गृहमंत्री अमित शाह ने संसद के अंदर राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के विरोधियों को करारा जवाब दिया है और अब बारी देशवासियों की है राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के लिए सामूहिक रूप से एक हों और राष्ट्र विरोधी ताकतों को उखाड़ फेंके क्योंकि वंदे मातरम सिर्फ गीत नहीं भारत का यश का गान और प्राण है।महापौर गणेश केसरवानी ने सामूहिक वन्दे मातरम् यात्रा का भव्य स्वागत बैरहना में किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वंदे मातरम राष्ट्र विरोधी ताकतों के लिए काल बन जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक और संचालन महामंत्री अभिषेक ठाकुर ने किया।

मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया सामूहिक वन्दे मातरम् यात्रा का स्वागत जगह जगह पर मां भारती के झांकी पर पुष्प अर्पित करते हुए किया यात्रा ठाकुर हरनारायण सिंह ग्रुप आफ कॉलेज करैला बाग से मां भारती की झांकी के साथ सैकड़ों गाड़ियों के काफिले के साथ निकली जो नूर उल्ला रोड, अटाला, गोल पार्क, बलुवाघाट, कटघर, मुट्ठीगंज, रामभवन, कोठा पारचा मेडिकल कॉलेज, सुभाष चौराहा सिविल लाइन, एऑफिस डी आई आफिस, पुलिस लाइन, बेली कलश चौराहा, लक्ष्मी टॉकीज चौराहा, युनिवर्सिटी बालसन चौराहा, गीता निकेतन, बैहराना होते हुए नारी बारी में संपन्न हुई। यात्रा में राजेश केसरवानी अनुराग सिंह, अजीत सिंह, हिमांशु , शिवम अग्रहरी अभिलाष केसरवानी, शुभम अन्नू केसरवानी, रजत सोनकर मोनू सेठ, सुनील केसरवानी, दीपक केसरवानी आदि सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

वर्ल्ड ध्यान दिवस : गंगा के प्रति जागरूकता और आरती प्रशिक्षण कार्यशाला का विधिवत उद्घाटन

गंगा की आरती के साथ ध्यान व योग करने का दिया संदेश

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/ऋषिकेश। विश्व ध्यान दिवस के पावन अवसर पर परमार्थ निकेतन के मां गंगा के पावन तट पर गंगा के प्रति जागरूकता एवं आरती प्रशिक्षण कार्यशाला का विधिवत उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती महाराज ने सभी पुरोहितों को सामूहिक ध्यान साधना करयी।

परमार्थ निकेतन, नमामि गंगे, अर्थ गंगा और जल शक्ति मंत्रालय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित गंगा के प्रति जागरूकता और आरती प्रशिक्षण कार्यशाला में गंगा तटवर्ती पाँच राज्यों, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, और पश्चिम बंगाल, तथा विस्तृत गंगा बेसिन से जुड़े पुरोहित, रिचुअल, प्रैक्टिशनर तथा युवा प्रशिक्षु शामिल हुए।

पुरोहितों को गंगा की आरती, शुद्ध मंत्रों के उच्चारण के साथ ध्यान और योग का भी अभ्यास कराया गया।

पूज्य स्वामी ने पुरोहितों को संबोधित करते हुए कहा कि आज संसार बाहर से आगे बढ़ रहा है, पर भीतर से थक रहा है। मन अशांत है, हृदय तनाव से भरा है। ऐसी स्थिति में मानवता को सबसे अधिक आवश्यकता ध्यान व साधना की है। ध्यान केवल आँखें बंद करना नहीं, भीतर की आँखें खोल देना है। यह स्वयं से साक्षात्कार है। पूज्य स्वामी ने कहा कि आज की पीढ़ी गैजेट्स पर पूरी दुनिया स्क्रोल कर रही है, परन्तु अपने भीतर उतरने का सामर्थ्य खो रही है। सूचनाएँ बढ़ रही हैं, पर शांति घट रही है इसलिए ध्यान को जीवन की दिनचर्या का अनिवार्य भाग बनाना होगा। स्वामी ने कहा कि ध्यान, मानव धर्म है। यह कोई संप्रदाय नहीं, जीवन का पथ है। यह मौन नहीं बल्कि स्वयं को सुनने की साधना है। ध्यान वह कुँहै जो भीतर के अंधकार को प्रकाश में बदल देती है।

स्वामी ने कहा कि ध्यान व्यक्ति को बदलता है, व्यक्ति समाज को बदलता है, समाज राष्ट्र को बदलता है और राष्ट्र पूरी दुनिया को बदल देता है इसलिए ध्यान केवल साधना नहीं, वैश्विक समाधान है। स्वामी ने कहा कि ध्यान मन को स्थिर करता है, दृष्टि को विस्तृत करता है, निर्णय को परिपक्व बनाता है। शांत मन ही करुणा, संयम, नेतृत्व और सेवा की प्रेरणा देता है। जो स्वयं से जुड़ जाता है, वह सृष्टि से जुड़ जाता है। शांत मन ही सशक्त विश्व की नींव है और सेवा ही जीवन का श्रेष्ठ स्वरूप। उपस्थित सभी पुरोहितों ने पूज्य स्वामी के पावन सान्निध्य में कुछ क्षण ध्यान का अभ्यास किया।

नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन इकाई द्वारा काशी प्रांत का प्रांतीय अभ्यास वर्ग

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। आयोजित किया गया जिसमें वाराणसी चंदौली जौनपुर प्रयागराज एवं सुल्तानपुर के मेडिकल तथा डेंटल कॉलेजों से कुल 71 विद्यार्थियों एवं 29 चिकित्सकों एवं शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। इस दो दिवसीय अभ्यास वर्ग में चिकित्सा छात्रों में स्वास्थ्य सेवा से राष्ट्र सेवा के मार्ग पर चलते हुए राष्ट्र निर्माण की आवश्यकता एवं सार्थकता समझाई गई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक रमेश जी, सुनील जी, सुबन्धु जी, प्रमोद तथा गंगा पार के जिला प्रचारक प्रेम सागर के द्वारा कर्तव्य, कार्यकर्ता एवं समाज से संबंधित विषयों को रखा गया। साथ ही बनारस हिंदू विश्वविद्यालय आईएमएस के निदेशक प्रोफेसर एस एन शंखवार, डॉक्टर विश्वंभर सिंह, डॉ आर एन चौरसिया जी, डॉक्टर अतुल तिवारी जी, डॉक्टर मुरलीधर सैनी जी, डॉक्टर अवनीश, डॉक्टर दरबारा सिंह, डॉक्टर ज्ञान प्रकाश, डॉक्टर सौरव पांडे तथा सुल्तानपुर से डॉक्टर पवन कुमार सिंह, चंदौली से डॉक्टर सुनील, लखीमपुर खीरी से डॉक्टर जयराम एवं प्रयागराज से डॉ राजेश कुमार राय द्वारा छात्रों का मार्गदर्शन किया गया ।नेशनल मेडिकोज ऑर्गेनाइजेशन क्यों चिकित्सकों द्वारा आगामी माघ मेले में स्वास्थ्य शिविरों के के आयोजन पूर्वोत्तर क्षेत्र में धनवंतरी सेवा सेवा यात्रा एवं मार्च में आयोजित होने वाले नमो कौन 2026 में प्रतिभाग विषय पर भी चर्चा की गई।व्यवस्था में प्रमुख रूप से कुंवर नीलेंद्र, सुधांशु, गरिमा, आशीष, योगी, प्रतुल, शिवम, प्रियम, हर्ष, अंकुर, नित्यानंद, शिवांगी का योगदान रहा

थरवाई में 20 लाख की चोरी, पुलिस जांच में जुटी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। थरवई क्षेत्र के मुहम्मदपुर गांव में बीती रात अज्ञात चोरों ने दो मंजिल पर बने कमरे के अलमारी और बक्से का ताला तोड़कर एक दस लाख रुपये से अधिक का सोने-चांदी के आभूषण और लाखों रुपए नकदी चोरी कर लिया गया है। मुहम्मदपुर गांव निवासी दीना नाथ शुक्ला पुत्र यमुना प्रसाद शुक्ल का दरवाजे पर ही दो अलग-अलग मकान बने हुए हैं पीड़ित के मां की तबीयत अधिक खराब होने के कारण दीनानाथ शुक्ल अपने मां के पास सोया दूसरे वाले मकान में दीनानाथ की पत्नी और दोनों बहू नीचेसोई थी दूसरे तल पर बहू के कमरे का ताला तोड़कर उसमें रखा अलमारी और बक्सा का ताला तोड़कर 10 लख रुपए से अधिक के आभूषण 130000 रुपए नगद चोरों ने पार कर दिया है चोरों ने सीडी पर लगे दरवाजे को भी बंद कर दिया था।

सुबह चार बजे दीनानाथ उठे तो दरवाजे में कुंडी बंद अंदर से बंद थी शोर मचाया परिजन सहित आसपास के लोग आ गए और चोरी की सूचनाथरवई पुलिस को दी गई कमरे का ताला टूटा हुआ मिला और कमरे के अंदर अलमारी और बक्सा तीन कमरे का ताला टूटा हुआ था दोनों बहूओ का आभूषण चोरों ने पार कर दिया हैघर का सारा सामान बिखरा पड़ा था। चोरों द्वारा करीब 700 ग्राम सोने के आभूषण, 3 किलो 500 ग्राम चांदी तथा ?1 लाख 30 हजार नकद चोरी कर लिया गया।

घटना की सूचना तत्काल थाना थरवई पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस और डॉग स्क्वायड फील्ड यूनिट की टीम मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की थरवई पुलिस घर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। चोरी की घटना से गांव में दहशत बनी हुई है सहायक पुलिस आयुक्त थरवई अरुण पाराशर सूचना पर घटनास्थल पर पहुंचकर परिजनों से घटना की जानकारी ली और शीघ्र ही चोरों को पता लगाए जाने की बात कही।

10वीं यूपी राज्य पैरा पावरलिफ्टिंग और पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025-26 बरेली में सफलतापूर्वक संपन्न

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। बरेली के बीएल एग्रो स्टेडियम में चल रही 10वीं यू.पी. स्टेट पैरा पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप और पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025-26 का रविवार को शानदार तरीके से समापन हुआ। इस दौरान खेल में एथलेटिक उत्कृष्टता, मजबूती और इंक्लूजन का जश्न मनाया गया। यू.पी. पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में बरेली पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित और बीएल एग्रो इंडस्ट्रीज द्वारा समर्थित, दो दिन की राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों का प्रतिनिधित्व करने वाले पैरा-एथलीट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बरेली, लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, मेरठ, आगरा, गोरखपुर, बागपत सहित 40 जिलों के एथलीट्स ने पैरा पावरलिफ्टिंग और पैरा-एथलेटिक्स में कई श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा हुई, जिससे यह चैंपियनशिप राज्य कैलेंडर में सबसे व्यापक पैरा स्पोर्ट्स आयोजनों में से एक बन गई।

समापन समारोह में, यू.पी. पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष और बीएल एग्रो के मैनेजिंग डायरेक्टर आशीष खंडेलवाल ने कहा, 'हमारा ध्यान प्रतिस्पर्धा और विकास के लिए लगातार मंच प्रदान करके उत्तर प्रदेश में एक मजबूत पैरा स्पोर्ट्स इकोसिस्टम बनाने पर है। इन एथलीट्स में अपार क्षमता है। डिस्ट्रिक्ट और स्टेट लेवल पर सही सपोर्ट मिलने पर, उनमें से कई ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर भारत का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं।'

चैंपियनशिप का समापन पदक वितरण समारोह और विजेताओं, कोच और टेक्निकल अधिकारियों के सम्मान के साथ हुआ। वॉलेंटियर्स, रेफरी और स्पोर्ट्स एडमिनिस्ट्रेटर की मजबूत भागीदारी ने उत्तर प्रदेश में समावेशी खेल विकास के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में बरेली की उभरती भूमिका को उजागर किया।

10वीं यू.पी. राज्य पैरा पावरलिफ्टिंग और पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025-26 का सफल समापन प्रतियोगिताओं और निरंतर संस्थागत समर्थन के माध्यम से दिव्यांग एथलीट्स को सशक्त बनाने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है।

मानसरोवर में एक दिवसीय योग शिबिर का आयोजन

सैकड़ों लोगों ने लिया योग और भक्ति का लाभ

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मानसरोवर परिसर में एक दिवसीय योग शिबिर का आयोजन किया गया। इस योग शिबिर में सैकड़ों की संख्या में लोगों ने सहभाग लिया और योग, भक्ति एवं भजन के माध्यम से शारीरिक व मानसिक शांति का अनुभव किया। कार्यक्रम के दौरान पूरे परिसर में उत्साह और अनुशासन का वातावरण बना रहा। शिविर में श्री सिद्धेश्वर योग मित्रमंडल, अशोक नगर के सदस्यों ने योग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि योग को नियमित जीवनशैली का हिस्सा बनाने से शरीर स्वस्थ रहता है, मानसिक तनाव कम होता है और व्यक्ति में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। बदलती जीवनशैली में योग को अपनाना अत्यंत आवश्यक है। योग शिबिर का संचालन योग गुरु श्री श्यामनाथ शर्मा द्वारा किया गया। उन्होंने उपस्थित लोगों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया तथा दैनिक जीवन में इनके लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उनके मार्गदर्शन में सभी आयु वर्ग के लोगों ने सक्रिय रूप से योगाभ्यास किया। इस अवसर पर जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट एवं मानसरोवर वासियों की ओर से योग गुरु श्री श्यामनाथ शर्मा का शाल और फूलों की माला देकर सम्मान किया गया। आयोजकों ने उनके समाजोपयोगी योगदान की सराहना करते हुए आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्री रमाकांत पांडा उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि योग न केवल स्वास्थ्य का माध्यम है, बल्कि यह अनुशासित और संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा देता है। समाज में ऐसे आयोजनों से लोगों में जागरूकता बढ़ती है।कार्यक्रम के अंत में भजन और सामूहिक प्रार्थना का आयोजन किया गया, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। आयोजकों ने शिबिर को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी प्रतिभागियों और स्थानीय नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

भिवंडी में दो शातिर अपराधी गिरफ्तार

बाइक व मोबाइल चोरी के 8 मामले सुलझे

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

ठाणे पुलिस आयुक्तालय की ओर से मोटरसाइकिल और मोबाइल चोरी की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने के निर्देशों के तहत अपराध शाखा को बड़ी सफलता हाथ लगी है। अपराध शाखा घटक-2, भिवंडी की टीम ने दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर बाइक और मोबाइल चोरी के कुल 8 मामलों का खुलासा किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अपराध शाखा घटक-2, भिवंडी के अधिकारियों को गुप्त सूचना और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर यह सफलता मिली। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जनार्दन सोनवणे के मार्गदर्शन में पुलिस उपनिरीक्षक रविंद्र बी.पाटील और उनकी टीम ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सहजील सिराज अहमद मोमीन उर्फ हमजा (23), निवासी खान कंपाउंड, मोमीनपुरा, भिवंडी और मुजीब अब्दुल शेख (35), निवासी आमिनाबाग झोपड़पट्टी, नदीनाका, भिवंडी के रूप में हुई है।पुलिस ने पूछताछ और गहन जांच के दौरान आरोपियों के पास से 2 मोटरसाइकिल और 6 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। जब्त किए गए माल की कुल कीमत करीब 1 लाख 87 हजार रुपये बताई जा रही है। इस बरामदगी के साथ भिवंडी और आसपास के इलाकों में दर्ज कुल 8 चोरी के मामलों का खुलासा हुआ है।इन मामलों में भोईवाड़ा, भिवंडी तालुका, भिवंडी शहर, निजामपुरा और शांतिनगर पुलिस थानों में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज अपराध शामिल हैं।यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त (अपराध) अमरसिंह जाधव और सहायक पुलिस आयुक्त (शोध-1) शेखर बागड़े के मार्गदर्शन में की गई। इस अभियान में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जनार्दन सोनवणे समेत अपराध शाखा घटक-2, भिवंडी के कई अधिकारी और कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चुनाव के बाहर, सत्ता में वापसी की साजिश

अयोग्य 18 पूर्व नगरसेवकों की नई राजनीति अब बीबी - बेटा - बेटी होंगे उम्मीदवार

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मनपा चुनाव से पहले भिवंडी की राजनीति ने एक बार फिर यह दिखा दिया है कि सत्ता की चाह में न कानून की परवाह रह जाती है और न ही नैतिकता की। दल-बदल कानून के तहत चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराए गए 18 पूर्व नगरसेवक अब प्रत्यक्ष रूप से मैदान में न उतरकर परोक्ष तरीके से सत्ता में बने रहने की कोशिशों में जुट गए हैं। इन नेताओं ने अपनी पत्नी, बेटे, बेटी और करीबी रिश्तेदारों को उम्मीदवार बनाने की रणनीति अपनाई है। सूत्रों के अनुसार, अयोग्य ठहराए गए ये पूर्व नगरसेवक समाजवादी पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और एमआईएम सहित कई राजनीतिक दलों से संपर्क में हैं। टिकट के बदले जीत सुनिश्चित कराने के दावे किए जा रहे हैं। पर्दे के पीछे लगातार बैठकों और समझौतों का दौर चल रहा है, जिसमें राजनीतिक दलों की मजबूरी का फायदा उठाने की कोशिश की जा रही है।

गौरतलब है कि वर्ष 2017 में भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका चुनाव में कांग्रेस पार्टी को भारी बहुमत मिला था और उसके 47 नगरसेवक निर्वाचित हुए थे। बाद में सत्ता के समीकरण बदलने के लिए कई नगरसेवकों ने दल बदल लिया। यह मामला दल-बदल कानून के तहत पहुंचा और लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद 18 नगरसेवकों को दोषी ठहराते हुए छह वर्षों के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित किया गया,तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के आदेश पर यह फैसला लागू हुआ था और इसे उस समय लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के रूप में देखा गया था। अब वही अयोग्य नेता कानून को दरकिनार कर नई राजनीतिक चाल चल रहे हैं। उनका मानना है कि उम्मीदवार का नाम चाहे किसी का भी हो, सत्ता की कमान उनके ही हाथों में रहेगी। इसी सोच के तहत प्रॉक्सी उम्मीदवारों को आगे किया जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि यह न केवल कानून की मूल भावना के खिलाफ है, बल्कि मतदाताओं के भरोसे के साथ भी सीधा खिलवाड़ है। इस पूरे घटनाक्रम ने राजनीतिक दलों की भूमिका और साख पर भी सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। टिकट वितरण में जीत के गणित को प्राथमिकता दिए जाने से लोकतांत्रिक मूल्यों को ठेस पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। भिवंडी का यह चुनाव अब केवल मनपा गठन तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसे लोकतंत्र की मर्यादा और जनता के विश्वास की कसौटी के रूप में देखा जा रहा है।

आईजीआई एयरपोर्ट पर यात्री और कैप्टन के बीच क्यों हुई हाथापाई? पायलट ने दी सफाई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई) के टर्मिनल-1 पर 19 दिसंबर 2025 को एक यात्री और कैप्टन के बीच हुए विवाद को लेकर अब कैप्टन विरेंद्र सेजवाल की ओर से उनके वकील का बयान सामने आया है। बयान में स्पष्ट किया गया है कि कैप्टन विरेंद्र सेजवाल उस समय एक आम यात्री के रूप में यात्रा कर रहे थे और किसी भी तरह की फ्लाइट ड्यूटी पर नहीं थे। वकील के अनुसार, इस घटना का कैप्टन सेजवाल के प्रोफेशन या उनकी नौकरी से कोई संबंध नहीं है और इसे गलत तरीके से पेश किया गया।

वकील की ओर से कहा गया है कि यह मामला पूरी तरह से दो यात्रियों के बीच का निजी विवाद था, जिसे सोशल मीडिया पर गलत रंग देकर सनसनीखेज बनाया गया। बयान में यह भी दावा किया गया है कि सोशल मीडिया पर जो जानकारियां फैलाई गईं, वे एकतरफा थीं और पूरी सच्चाई को सामने नहीं रखती थीं। आरोप लगाया गया कि दूसरे पक्ष ने चुनिंदा तथ्यों को उजागर कर एक गलत कहानी गढ़ी और उसे जानबूझकर बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया गया।

कैप्टन विरेंद्र सेजवाल की ओर से यह भी कहा गया है कि विवाद के दौरान उनके खिलाफ जातिसूचक टिप्पणियां की गईं।

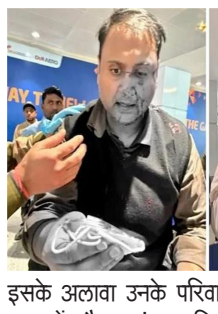

इसके अलावा उनके परिवार की महिला सदस्यों और यहां तक कि एक बच्चे को लेकर भी गंभीर धमकियां दी गईं, जिससे उन्हें और उनके परिवार को मानसिक रूप से गहरा आघात पहुंचा।

कैप्टन सेजवाल की ओर से बताया गया कि विवाद की शुरुआत दूसरे यात्री द्वारा बिना किसी उकसावे के गाली-गलौज से हुई। कई बार समझाने और रोकने के बावजूद वह यात्री लगातार अपमानजनक और धमकी भरी भाषा का इस्तेमाल करता रहा। स्थिति बिगड़ने पर बात हाथापाई तक पहुंच गई, जिसमें कैप्टन सेजवाल को भी चोटें आईं। घटना के दौरान मौके पर मौजूद सीआईएसएफ के जवानों ने तुरंत हस्तक्षेप किया और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। हालांकि, आरोप है कि सीआईएसएफ के जवानों के सामने भी दूसरा यात्री शांत नहीं हुआ और आक्रामक व्यवहार करता रहा।

आखिरकार यह मामला सीआईएसएफ अधिकारियों की मौजूदगी में वहीं सुलझा लिया गया। दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से लिखित बयान पर हस्ताक्षर किए और यह स्पष्ट किया कि वे किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई नहीं करना चाहते। बयान में यह भी साफ किया गया कि समझौता पूरी तरह स्वेच्छा से किया गया और इसमें किसी भी तरह का दबाव या जबरदस्ती नहीं थी।

इस संबंध में सीआईएसएफ ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि दोनों पक्षों को शिकायत दर्ज कराने का विकल्प दिया गया था, लेकिन उन्होंने स्वयं ही किसी भी कानूनी कार्रवाई से इनकार कर दिया।

कैप्टन विरेंद्र सेजवाल की ओर से यह भी कहा गया है कि इस निजी विवाद को उनके प्रोफेशन से जोड़ना पूरी तरह गलत और भ्रामक है। उनके अनुसार, यह सिर्फ सोशल मीडिया पर ध्यान आकर्षित करने की कोशिश है, जबकि मामला पहले ही सुलझ चुका है। कैप्टन सेजवाल ने भरोसा जताया है कि संबंधित अधिकारी पूरे मामले को निष्पक्ष और तथ्यों के आधार पर देखेंगे। उन्होंने मीडिया और आम जनता से अपील की है कि वे केवल सत्यापित और पुख्ता जानकारी पर ही भरोसा करें तथा एकतरफा या भ्रामक सूचनाओं को फैलाने से बचें, ताकि किसी की छवि को अनावश्यक रूप से नुकसान न पहुंचे।

50 हजार का इनामी डकैत जुबैर पुलिस मुठभेड़ में ढेर, एक पुलिसकर्मी भी घायल

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश में बुलंदशहर जिले के देहात कोतवाली क्षेत्र में पुलिस ने एक सशस्त्र मुठभेड़ के बाद 50 हजार रुपये के इनामी बदमाश को मार गिराया। पुलिस ने बताया कि अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत 20/21 दिसंबर की रात्रि थाना कोतवाली देहात पुलिस टीम स्याना रोड स्थित जसनावली के पास संदिग्ध व्यक्ति व वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक बाइक पर सवार दो संदिग्ध व्यक्ति आते दिखाई दिए, जिन्हें रुकने का इशारा किया गया, लेकिन वे नहीं रुके और पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए भागने लगे।

पुलिस द्वारा तत्काल आरटी सेट के माध्यम से अन्य थानों को सूचना दी गई। बदमाशों का पीछा करते हुए पुलिस टीम सेल्टन बंबा रोड पहुंची, जहां सामने से थाना गुलावठी पुलिस फोर्स भी आ गई। दोनों ओर से घेराबंदी होने पर बदमाशों ने जान से मारने की नीयत से पुलिस पर फायरिंग की। पुलिस द्वारा आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी फायरिंग में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया, जबकि दूसरा बदमाश अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गया। घायल बदमाश व घायल पुलिसकर्मी को तत्काल जिला चिकित्सालय भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने बदमाश को मृत घोषित कर दिया।

मृत बदमाश की पहचान आजाद उर्फ जुबैर उर्फ पीटर (35) निवासी उमर गार्डन कॉलोनी, थाना श्यामनगर लिसाड़ी गेट, जनपद मेरठ के रूप में हुई है। घटनास्थल से पुलिस ने एक अवैध पिस्टल, जिंदा व खोखा कारतूस तथा एक बाइक बरामद करने का दावा किया है। पुलिस ने बताया कि मृत बदमाश जुबैर उर्फ पीटर थाना लिसाड़ी गेट, जनपद मेरठ का निवासी था, जो अपने साथियों के साथ 02 नवंबर को थाना कोतवाली देहात क्षेत्र में एक व्यक्ति से मोबाइल फोन, मोटरसाइकिल व नकदी लूट की घटना में वांछित था, जिसके संबंध में थाना कोतवाली देहात पर मुकदमा संख्या 842/25 धारा 309(4) बीएनएस पंजीकृत है।

इसके अतिरिक्त 07 अक्टूबर 2025 को थाना गुलावठी क्षेत्र में बकरा फार्म से 18 बकरे चोरी करने की घटना में भी वह वांछित था, जिसके संबंध में मुकदमा संख्या 465/25 धारा 305/317(2)/112 बीएनएस दर्ज है। इन दोनों मामलों में वांछित जुबैर की गिरफ्तारी पर पुलिस उपमहानिरीक्षक द्वारा 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। मृत बदमाश के विरुद्ध लूट, डकैती, चोरी व गैंगस्टर एक्ट सहित विभिन्न जनपदों के थानों में कुल 49 अभियोग पंजीकृत बताए गए हैं।

एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई : एनकाउंटर में ढेर हुआ 1 लाख का इनामी हिस्ट्रीशीटर सिराज अहमद

हत्या-लूट के 30 केस, डेढ़ साल से था फरार!

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक लाख रुपए के इनामी बदमाश सिराज अहमद को मुठभेड़ में मार गिराया है। यह मुठभेड़ सहारनपुर जिले के गंगोह थाना क्षेत्र में हुई। सिराज अहमद सुल्तानपुर के चर्चित हत्या मामले में फरार चल रहा था और उस पर उत्तर प्रदेश के कई जिलों में गंभीर अपराधों के 30 से ज्यादा मुकदमे दर्ज थे

सिराज अहमद मूल रूप से सुल्तानपुर जिले का रहने वाला था। उसने वहां एक चर्चित हत्या को अंजाम दिया था, जिसके बाद से वह फरार चल रहा था। पुलिस और एसटीएफ लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थीं। उसकी गिरफ्तारी के लिए शासन ने उसके सिर पर 1 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

खुफिया जानकारी के मुताबिक, सिराज अहमद पंजाब-हरियाणा बॉर्डर से सहारनपुर पहुंचा था और गंगोह इलाके में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। इसी दौरान एसटीएफ को उसके मूवमेंट की पुख्ता सूचना मिली। सूचना मिलते ही एसटीएफ की टीम ने गंगोह क्षेत्र में घेराबंदी की और सिराज को रोकने की कोशिश की। खुद को घिरा देख सिराज ने एसटीएफ टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। एसटीएफ की जवाबी कार्रवाई में सिराज अहमद मुठभेड़ में मारा गया।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, सिराज अहमद पर हत्या, हत्या का प्रयास, गैंगस्टर एक्ट और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) समेत करीब 30 से अधिक संगीन मुकदमे उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में दर्ज थे। वह लंबे समय से कानून-व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ था।

सिराज अहमद कुख्यात माफिया मुख्तार अंसारी का करीबी बताया जाता है। वह डी-68 गैंग का सरगना भी था। प्रशासन ने पहले ही न्यायालय के आदेश पर उसकी आधा दर्जन गाड़ियां, करीब 7 बेशकीमती संपत्तियां (करोड़ों रुपये की) कुर्क कर ली थीं। इस कार्रवाई से जिले के अन्य अपराधियों में भी हड़कंप मच गया था। एसटीएफ की इस कार्रवाई को बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सिराज अहमद के मारे जाने से क्षेत्र में अपराध पर लगाम लगेगी और संगठित अपराधियों को कड़ा संदेश गया है।

कार और 10 लाख न मिले तो बहू को उतारा मौत के घाट

फिर फांसी पर लटकाया–बिजनौर में नवविवाहिता की सनसनीखेज हत्या

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश में बिजनौर जिले के धामपुर थाना क्षेत्र से दहेज हत्या का एक बेहद गंभीर और दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई थाना धामपुर पुलिस द्वारा की गई है। पुलिस के अनुसार, इस घटना को लेकर 18 दिसंबर को मृतका के परिजनों ने थाने में लिखित तहरीर दी थी, जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

परिजनों की शिकायत में बताया गया कि मृतका को उसके ससुराल वाले दहेज की मांग को लेकर लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। आरोप है कि ससुराल पक्ष वेगेनार कार और 10 लाख रुपये नकद की मांग कर रहा था। मांग पूरी ना होने पर मृतका के साथ गाली-गलौज, मारपीट और मानसिक उत्पीड़न किया गया। अंत में ससुराल वालों ने मिलकर उसकी निर्मम हत्या कर दी।

तहरीर के आधार पर थाना धामपुर में दहेज हत्या सहित संबंधित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने कार्रवाई तेज करते हुए कलीम पुत्र सलीम, फरजाना पत्नी सलीम निवासी ग्राम सेढा, थाना धामपुर को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल की गई एक बहुरंगी चुन्नी भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार यह बरामदगी मामले में अहम सबूत मानी जा रही है और इसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

प्रेमी जोड़े ने बनाया वीडियो, हो गया वायरल

परिवार वालों को मजबूरन करानी पड़ी शादी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुरादाबाद से एक प्रेमी जोड़े का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। इस वीडियो में युवती अपने प्रेमी के साथ अपनी मर्जी से घर छोड़कर जाने की बात कहती नजर आई। युवक भी साफ तौर पर कहता दिखा कि वह युवती की इच्छा के अनुसार उसके साथ रहना चाहता है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो करीब एक सप्ताह पुराना है।

दोनों युवक-युवती बालिग हैं और एक ही समुदाय से हैं। वीडियो वायरल होने के बाद यह बात दोनों के परिवारों तक पहुंची। शुरुआत में परिजन चिंतित हुए और उन्हें लगा कि युवती को बहला-फुसलाकर ले जाया गया है। लेकिन वीडियो देखने के बाद साफ हो गया कि युवती अपनी मर्जी से गई थी।

मामला मूंढापांडे थाना क्षेत्र का है। सच्चाई सामने आने के बाद दोनों परिवारों ने आपसी सहमति से सामाजिक विवाद से बचने का फैसला किया और दोनों का निकाह कराने पर राजी हो गए। परिवार के बुजुर्गों, मौलवियों और समाज के लोगों की मौजूदगी में निकाह की रस्म पूरी कराई गई। निकाह के बाद युवती अपने पति के साथ उसके घर चली गई। युवक स्थानीय बाजार में कपड़ों की दुकान पर काम करता है, वहीं दोनों की जान-पहचान हुई थी।

एंटी करप्शन टीम के आगे फेल हो गया दरोगा प्रिया सिंह और सिपाही का प्लान

50 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के गाजियाबाद के मुरादनगर थाने में तैनात महिला दरोगा और सिपाही ने एक बार फिर खाकी को दाग लगा दिया है। महिला दारोगा और सिपाही ने मिलकर मोटी कमाई करने का प्लान बनाया था, लेकिन उनका ये प्लान फेल हो गया और उनकी ये प्लानिंग मेरठ एंटी करप्शन टीम की मुस्तैदी के आगे नहीं चली। शिकायत मिलने पर टीम ने दोनों को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के मुताबिक, यह पूरा मामला पारिवारिक विवाद से शुरू हुआ था। मेरठ सदर तहसील में तैनात लेखपाल रजनीश के खिलाफ उसकी पत्नी ने ये केस दर्ज कराया था। पत्नी ने उस पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया था। जिस वजह से उसे जेल भी जाना पड़ा था। इस केस की विवेचना मुरादनगर थाने की पिंक बूथ प्रभारी दरोगा प्रिया सिंह कर रही थीं। आरोप है कि इस मामले में महिला दारोगा रजनीश को डराने लगी और फिर उससे सौदेबाजी शुरू की। दरोगा ने रजनीश के सामने दो शर्तें रखीं। पहली मुकदमे से रजनीश के बुजुर्ग माता-पिता का नाम हटाना औ? दूसरा केस में अन्य गंभीर धाराएं न बढ़ाना। इसके लिए उसने 2 लाख रुपये की रिश्वत मांगी। लेकिन, बाद में ये पूरा मामला 50000 रुपये में तय हुआ।

सिपाही ने इस पूरे मामले में दारोगा का साथ दिया और पूरी डीलिंग में बिचौलिए की भूमिका निभाई।

रॉबिन उथप्पा ने एसआरएच की बॉलिंग पर उठाए सवाल, आईपीएल 2026 से पहले बढ़ी चिंता

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आईपीएल 2026 से पहले सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) की रणनीति को लेकर बहस तेज़ हो गई है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने टीम के बॉलिंग कॉम्बिनेशन पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए कहा है कि फ्रेंचाइजी ने बल्लेबाज़ी को प्राथमिकता दी है, लेकिन गेंदबाज़ी में युवा और भरोसेमंद विकल्पों की कमी साफ़ दिखती है। उथप्पा के मुताबिक, अगर यही संतुलन रहा तो लंबे टूर्नामेंट में एसआरएच को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 से पहले अपनी कोर टीम को लगभग जस का तस रखा है। ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, पैट कमिंस, नीतीश कुमार रेड्डी और हेनरिक क्लासेन जैसे खिलाड़ी पहले से ही टीम का हिस्सा हैं। आईपीएल 2025 में भी ऐ्की पहचान आक्रामक बल्लेबाज़ी के रूप में बनी थी और फ्रेंचाइजी ने मिनी ऑक्शन में भी उसी रास्ते पर चलने का फैसला किया।

आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन में एसआरएच ने करीब 13 करोड़ रुपये खर्च कर सलिल अरोड़ा, जैक एडवर्ड्स और इंग्लैंड के विस्फोटक

ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन को अपने साथ जोड़ा। इसके अलावा कुछ युवा और अनकैप्ड खिलाड़ियों को भी स्क्वाड में शामिल किया गया। हालांकि, रॉबिन उथप्पा का मानना है कि इन खरीदों से टीम की बॉलिंग यूनिट को वैसी मजबूती नहीं मिली, जिसकी ज़रूरत एक खिताबी दावेदार को होती है।

उथप्पा ने साफ कहा कि एसआरएच ने किसी ऐसे भारतीय गेंदबाज़ को नहीं चुना, जो पैट कमिंस, हर्षल पटेल या जयदेव उनादकट को लगातार सपोर्ट दे सके। उनके मुताबिक, हर्षल और उनादकट विकेट लेने में सक्षम हैं, लेकिन अक्सर रन भी काफी दे जाते हैं। वहीं, पैट कमिंस अकेले ऐसे गेंदबाज़ हैं जो एक छोर संभाल सकते हैं। नीतीश कुमार रेड्डी अभी एक ऑलराउंडर के तौर पर विकसित हो रहे हैं, ऐसे में उनसे पूरी बॉलिंग ज़िम्मेदारी की उम्मीद करना सही नहीं होगा। उथप्पा ने लियाम लिविंगस्टोन की टीम में फिटिंग को लेकर भी सवाल खड़े किए। उनके अनुसार, एसआरएच के पास पहले से ही ट्रैविस हेड, हेनरिक क्लासेन और पैट कमिंस जैसे विदेशी खिलाड़ी लगभग तय विकल्प हैं। ऐसे में लिविंगस्टोन को प्लेइंग इलेवन में कहां जगह मिलेगी, यह स्पष्ट नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसा लगता है मानो एसआरएच हर मैच में 250-300 रन बनाने की रणनीति पर चल रही है, लेकिन अगर स्कोर डिफेंड करना पड़ा तो बॉलिंग की कमजोरी सामने आ सकती है।

श्रीलंका के खिलाफ टी20 आई सीरीज से पहले जेमिमाह रोड्रिग्स बोली : बढ़ी जिम्मेदारी, बढ़ीं उम्मीदें

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय महिला क्रिकेट टीम विश्व कप जीतने के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय मैदान पर उतरने जा रही है और इससे पहले बल्लेबाज़ जेमिमाह रोड्रिग्स ने टीम की मानसिकता को लेकर अहम बात कही है। श्रीलंका के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 आई सीरीज़ को लेकर जेमिमाह का मानना है कि खिताबी जीत के बाद टीम पर जिम्मेदारी कहीं ज्यादा बढ़ गई है। उन्होंने साफ कहा कि अब सिर्फ जीत का जश्न नहीं, बल्कि भविष्य की चुनौतियों के लिए खुद को लगातार बेहतर बनाना ही असली लक्ष्य है।

जेमिमाह रोड्रिग्स के अनुसार, महिला विश्व कप जीत का असर सिर्फ मैदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज और फैंस के बीच भी साफ दिख रहा है। उन्होंने कहा कि अब ज्यादा लोग महिला क्रिकेट को पहचान रहे हैं और इस खेल में दिलचस्पी ले रहे हैं। जेमिमाह ने इसे विश्व कप की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक बताया, क्योंकि इससे आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिलेगी और महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचने का मौका मिलेगा।

हालांकि टीम विश्व कप जीत पर गर्व महसूस कर रही है, लेकिन जेमिमाह ने साफ किया कि यह सफर की सिर्फ शुरुआत है। उन्होंने

कहा कि अब टीम का फोकस आगे आने वाले बड़े टूर्नामेंट्स पर है, खासकर टी20 वर्ल्ड कप पर। उनके मुताबिक, 'अब जिम्मेदारी ज्यादा है क्योंकि उम्मीदें भी बढ़ गई हैं। हमारा लक्ष्य सिर्फ एक ट्रॉफी जीतना नहीं, बल्कि अब तक की सबसे बेहतरीन भारतीय टीम बनना है।' जेमिमाह ने उप-कप्तान स्मृति मंधाना के विचारों का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा कि विश्व कप जीत का असली असर शायद अभी महसूस न हो, लेकिन आने वाले सालों में इसका प्रभाव बहुत बड़ा होगा। यह जीत न सिर्फ मौजूदा खिलाड़ियों के लिए, बल्कि भविष्य की महिला क्रिकेटरों के लिए भी एक मजबूत नींव तैयार करेगी। 25 वर्षीय बल्लेबाज़ ने आत्मसंतुष्टि को सबसे बड़ा खतरा बताया। उनके अनुसार, सफलता के बाद सबसे जरूरी है कि खिलाड़ी खुद को बेहतर बनाते रहें। उन्होंने कहा कि सुधार की प्रक्रिया कभी नहीं रुकती और हर दिन थोड़ा-थोड़ा आगे बढ़ना ही एक सफल खिलाड़ी और टीम की पहचान है। खासतौर पर टी20 फॉर्मेट में, जहां हर गेंद और हर ओवर अहम होता है, वहां तीव्रता और फोकस बेहद जरूरी है।

जेमिमाह ने टी20 क्रिकेट की रणनीतिक मांगों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि यह फॉर्मेट तेज़ रफ्तार का खेल है, जहां बल्लेबाज़ आक्रामक होते हैं और गेंदबाज़ों को बेहद सटीक होना पड़ता है।

केविन पीटरसन ने इंग्लैंड क्रिकेट टीम को लिया आड़े हाथ, एडिलेड एशेज टेस्ट हार के बाद की आलोचना

एडिलेड **(एजेंसी)**। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने रविवार को एडिलेड ओवल में तीसरे टेस्ट में 82 रन की हार के बाद बेन स्टोक्स की टीम की आलोचना की है। ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बनाकर एशेज बरकरार रखी है।

पीटरसन ने अपने एक्स हैंडल पर कहा कि यह हार समझना मुश्किल है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के पास जोश हेजलवुड और स्टीव स्मिथ नहीं थे। उन्होंने लिखा, 'हेजलवुड नहीं थे, कमिंस, स्मिथ, लियोन वगैरह भी मुश्किल से थे, इससे यह हार समझना मुश्किल हो जाता है। आज सुबह मैंने और भी आउट होते देखे, जिससे मुझे उस पहले ट्वीट के बारे में सब कुछ पता चल गया जो मैंने लिखा था, जिसमें कहा गया था कि बल्लेबाज अब टेस्ट क्रिकेट के लिए तैयार नहीं हैं।'

मैच की बात करें तो तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के पांचवें और अंतिम दिन रविवार को यहां आखिरी चार विकेटों में से तीन विकेट लेकर इंग्लैंड की वापसी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया और इस तरह से ऑस्ट्रेलिया ने 82 रन से जीत दर्ज करके 2 टेस्ट शेष रहते हुए एशेज बरकरार रखने में कामयाबी हासिल की। इंग्लैंड ने 435 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पांचवें दिन सुबह अपनी दूसरी पारी 6 विकेट पर 207 रन से आगे बढ़ाई। उसे तब जीत के लिए 228 रन चाहिए थे, जबकि ऑस्ट्रेलिया को एशेज को बरकरार रखने के लिए चार विकेट की जरूरत थी। इंग्लैंड की टीम हालांकि लंच के बाद 352 रन पर आउट हो गई और इस तरह से उसकी अप्रत्याशित जीत दर्ज करके विश्व रिकार्ड बनाने और एशेज में बने रहने की उम्मीदों पर तुषारापात हो गया।

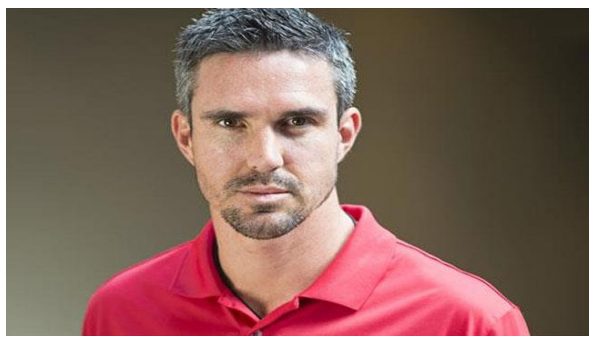

इंफोसिस एडीआर ने मारी छलांग एनवाईएसई ने अचानक रोकी ट्रेडिंग

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत की दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस लिमिटेड के शेयरों की ट्रेडिंग अमेरिका में अस्थायी रूप से रोक दी गई है। यह फैसला न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (एनवाईएसई) की ओर से लिया गया है। यूएस में लिस्टेड इंफोसिस के अमेरिकन डिपॉजिटरी रिसीट (एडीआर) में एक ही ट्रेडिंग सत्र में लगभग 40इ की उछाल देखने को मिली। एडीआर करीब 27 डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। इतनी तेज बढ़त के बाद एहतियात के तौर पर एनवाईएसई ने ट्रेडिंग को अस्थायी रूप से रोक दिया।

एडीआर उस कंपनी के असली शेयर का प्रतिनिधित्व करता है और इसे अमेरिकी निवेशकों के लिए जारी किया जाता है। जब कोई कंपनी सीधे अमेरिका में लिस्ट नहीं होती, तब एडीआर के जरिए अमेरिकी बाजार में निवेशकों को कंपनी के शेयरों तक पहुंचाया जाता है।

एडीआर में यह उछाल भारत के गिफ्ट निफ्टी पर भी दिखाई दिया। गिफ्ट निफ्टी इस दौरान 220 अंकों से अधिक बढ़कर उछल गया। वहीं, घरेलू बाजार में इंफोसिस के शेयरों में उतनी बड़ी हलचल नहीं देखी गई। एनएसई पर कंपनी का शेयर 0.7इ की बढ़त के साथ 1, 638 रुपए पर बंद हुआ। इंफोसिस ने 14 जनवरी, 2026 को अपनी दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी करने का ऐलान किया है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि उसका बोर्ड 13 और 14 जनवरी को बैठक करेगा, जिसमें 31 दिसंबर, 2025 को खत्म हुई तिमाही और नौ महीनों के फाइनेंशियल नतीजों पर विचार कर उन्हें मंजूरी दी जाएगी।

अफगानिस्तान प्रीमियर लीग नई शुरुआत के लिए तैयार, 2018 में खेला गया पहला सीजन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने एक नए फ्रेंचाइजी-आधारित टी-20 टूर्नामेंट अफगानिस्तान प्रीमियर लीग को लॉन्च करने की घोषणा की है। टूर्नामेंट के पहले सीजन में पांच टीमें होंगी और यह अक्टूबर 2026 के आसपास यूएई में होने की संभावना है। यह ध्यान देने योग्य है कि एसीबी ने पहले 2018 में अफगानिस्तान प्रीमियर लीग की शुरुआत की थी, जब टूर्नामेंट का केवल एक सीजन आयोजित किया गया था। उस सीजन में पांच टीमें भी शामिल थीं जिसमें क्रिस गेल, ब्रेंडन मैकुलम और शाहिद अफरीदी जैसे कई अंतरराष्ट्रीय सितारों ने हिस्सा लिया था। हालांकि, खिलाड़ियों के भुगतान से संबंधित मुद्दों और टूर्नामेंट की निष्पक्षता को लेकर चिंताओं के बाद लीग को बाद में बंद कर दिया गया था।

अफगानिस्तान प्रीमियर लीग के लिए ड्राफ्ट जून या जुलाई 2026 में होने की उम्मीद है। एसीबी ने कहा, 'पहले सीजन में पांच शहर-आधारित फ्रेंचाइजियां होंगी, जो अफगानिस्तान के प्रमुख राष्ट्रीय खिलाड़ियों को प्रमुख विदेशी पेशेवरों और उभरती हुई स्थानीय प्रतिभाओं के साथ लाएंगी।' एसीबी के चेयरमैन मीरवाइस अशरफ ने कहा, 'अफगानिस्तान प्रीमियर लीग हमारी क्रिकेट यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है।'

उन्होंने आगे कहा, 'यह हमारे खिलाड़ियों के लिए नए अवसर पैदा करती है, अगली पीढ़ी को प्रेरित करती है और अफगानिस्तान क्रिकेट को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने की अनुमति देता है। हम एपीएल को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल के विकास और एकता में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता के रूप में देखते हैं।' एसीबी ने ट्रांस ग्रुप और आईटीडब्ल्यू यूनिवर्स के बीच एक संयुक्त उद्यम, क्रिकेट वेंचर के साथ साझेदारी की है। विज्ञप्ति में कहा गया है, 'लॉन्च के बाद आयोजक अगले चरण में आगे बढ़ेंगे, जिसमें फ्रेंचाइजी की पहचान को अंतिम रूप देना, वाणिज्यिक भागीदारों की पुष्टि करना और खिलाड़ी नीलामी या ड्राफ्ट प्रक्रिया को आगे बढ़ाना शामिल है।'

ईपीएफओ ने नियमों में किया बड़ा बदलाव कर्मचारियों पर पड़ेगा सीधा असर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने नौकरी बदलने वाले लाखों कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए राहत भरे नियम लागू किए हैं। अब नौकरी बदलते समय छोटा गैप या वीकेंड भी सर्विस ब्रेक में नहीं गिना जाएगा, जिससे पीएफ और एम्प्लॉयी डिपॉजिट लिंक्ड इंश्योरेंस (ईडीएलआई) योजना के लाभ सीधे कर्मचारियों के परिवार तक पहुंचेंगे।

नए नियमों के तहत, अगर दो नौकरियों के बीच अधिकतम 60 दिनों तक का अंतर है, तो इसे सेवा में ब्रेक नहीं माना जाएगा। इसका मतलब है कि नौकरी बदलते समय थोड़े समय का गैप भी कर्मचारी की लगातार सेवा में जोड़ा जाएगा।

अगर किसी ईपीएफओ सदस्य की मृत्यु आखिरी पीएफ योगदान मिलने के 60 दिनों के भीतर हो जाती है और वह कंपनी के रिकॉर्ड में कर्मचारी के रूप में दर्ज था, तो अब उसके परिवार को ईडीएलआई योजना का लाभ मिलेगा। पहले ऐसे मामलों में सर्विस ब्रेक का हवाला देकर बीमा दावा खारिज कर दिया जाता था।

नौकरी बदलते समय आने वाले शनिवार, रविवार या राजपत्रित अवकाश अब सर्विस ब्रेक में नहीं गिने जाएंगे। इससे वीकेंड गैप के दौरान आकस्मिक मृत्यु होने पर परिवार को बीमा लाभ लेने में मदद मिलेगी।

ईपीएफओ ने न्यूनतम बीमा राशि भी बढ़ाकर 50, 000 रुपए कर दी है। अब उन कर्मचारियों के आश्रितों को भी यह राशि मिलेगी, जिन्होंने मृत्यु से पहले लगातार 12 महीने काम नहीं किया था या जिनके पीएफ खाते में 50, 000 रुपए से कम बैलेंस था।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के संज्ञान में ऐसे कई मामले आए थे, जहां नौकरी बदलते समय कर्मचारियों की मृत्यु के कारण उनके परिवार बीमा लाभ से वंचित रह जाते थे।

मानवीय संवेदना को प्राथमिकता देते हुए भारत को एआई क्षेत्र में नेतृत्व करना चाहिए : अंबानी

मुंबई **(एजेंसी)**। उद्योगपति मुकेश अंबानी ने शनिवार को कहा कि भारत को कृत्रिम मेधा (एआई) के क्षेत्र में विश्व का अग्रणी देश बनना चाहिए, लेकिन नई प्रौद्योगिकी अपनाते समय मानवीय संवेदना और करुणा को भी उतना ही महत्व देना जरूरी है।

अंतरराष्ट्रीय मानव एकजुटता दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अंबानी ने कहा कि देश की सबसे बड़ी निजी कंपनी भारत की ऊर्जा समस्या के समाधान के बेहद करीब पहुंच चुकी है।

उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा और ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयास भारत के लिए बड़ी उपलब्धि साबित हो सकते हैं।

अंबानी ने कहा कि रिलायंस की दूरसंचार कंपनी जियो ने अपनी सेवाओं के जरिए भारत को वैश्विक डिजिटल मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया है।

उन्होंने कहा, 'हमें कृत्रिम मेधा की जरूरत है और भारत को इसमें विश्व में अग्रणी बनना चाहिए, लेकिन सबसे ऊपर हमें संवेदना और करुणा की आवश्यकता है।'

उन्होंने कहा कि बुद्धिमत्ता को मानवीय संवेदना से और समृद्धि को उद्देश्य से जोड़कर भारत दुनिया के सामने विकास का एक नया मॉडल पेश कर सकता है।

अंबानी ने कहा कि एक समय ऐसा भी था जब खुद रिलायंस के भीतर दूरसंचार कारोबार को लेकर संदेह करने वाले लोग थे।

ऊर्जा क्षेत्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत अपनी 80 प्रतिशत ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है और ऊर्जा भंडारण एक बड़ी चुनौती रही है, जबकि देश में सौर ऊर्जा की अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि रिलायंस अब इस स्थिति को बदलने के करीब है और सौर ऊर्जा को केवल कुछ घंटों के विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि दीर्घकालिक समाधान के रूप में उपयोग करने की दिशा में काम कर रही है।

अंबानी ने इन प्रयासों की नींव रखने का श्रेय रिलायंस के निदेशक मंडल के सदस्य आर ए माशेलकर को दिया। उन्होंने कहा कि इस कारोबार के जरिए रिलायंस स्वच्छ और हरित ऊर्जा को प्रचुर मात्रा में और किफायती तरीके से उपलब्ध कराने का रास्ता दिखाएगी, न केवल भारत को बल्कि दुनिया के कई देशों को। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में रिलायंस ने खुद को नवाचार आधारित कंपनी के रूप में विकसित करने पर जोर दिया है। उन्होंने अपने शिक्षक और प्रसिद्ध वैज्ञानिक एम एम शर्मा का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने रिलायंस को केवल कामयाब क्रियान्वयन तक सीमित न रहकर नवाचार पर ध्यान देने की चुनौती दी थी। अंबानी ने कहा कि पिछले दो दशकों में माशेलकर ने जमीन स्तर पर काम करते हुए रिलायंस को गहन शोध और प्रौद्योगिकी नवाचार वाली कंपनी बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

आवासीय परियोजनाओं के लिए निर्माण वित्त नीति पर पुनर्विचार करेगा एसबीआई : चेयरमैन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सी एस सेट्टी ने शनिवार को कहा कि बैंक आवासीय रियल एस्टेट परियोजनाओं के लिए निर्माण वित्त से जुड़ी अपनी नीति पर फिर से विचार करेगा। उन्होंने साथ ही इस बात पर जोर दिया कि ऐसे ऋणों के लिए ब्याज दर तय करने में जवाबदेही और पारदर्शिता प्रमुख कारक होंगे। इस समय आवासीय परियोजनाओं के निर्माण वित्त में बैंक की मौजूदगी लगभग नगण्य है, हालांकि वह वाणिज्यिक रियल एस्टेट में धीरे-धीरे अपना पोर्टफोलियो तैयार कर रहा है।

उन्होंने अत्यधिक उधारी के कारण अतीत में हुई विफलताओं का जिक्र करते हुए कहा, ''हमें निर्माण (वित्त) पर, खासकर आवासीय रियल एस्टेट में किस तरह काम करना चाहिए, इस पर हम विचार कर रहे हैं। लेकिन यह भी एक तथ्य है कि जो लोग आवासीय रियल एस्टेट बाजार में बहुत आक्रामक रहे हैं, उन्होंने नुकसान उठाया है।'' उन्होंने रियल एस्टेट विकासकर्ताओं की संस्था क्रेडाई के एक कार्यक्रम में कहा, ''पारदर्शिता, परियोजना प्रबंधन और जोखिम प्रबंधन के संदर्भ में स्थिरता हमें कुछ भरोसा देती हैष्ट जवाबदेही ही वह चीज है जो हमारे जैसे ऋणदाताओं को विश्वास दिलाएगी, और तब आप अपेक्षाकृत कम लागत पर निर्माण वित्त पा सकेंगे।''

वाणिज्यिक रियल एस्टेट के संबंध में सेट्टी ने कहा कि डेवलपर्स को आगामी कार्यालय स्थल परियोजनाओं के लिए निर्माण वित्त हासिल करने हेतु संभावित किरायेदारों से कम से कम 40-50 प्रतिशत की प्रतिबद्धता सुनिश्चित करनी चाहिए।

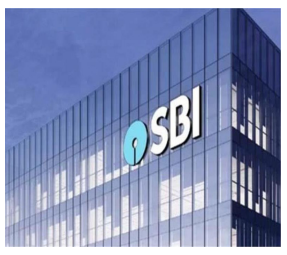

करवाचौथ पर प्रियंका को चांद दिखाने बादलों के ऊपर ले गए थे निक जोनस, एक्ट्रेस ने सुनाया किस्सा

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का चौथा सीजन नेटफ्लिक्स पर शुरु हो चुका है। शो में बतौर पहली गेस्ट प्रियंका चोपड़ा आई हैं। शनिवार 20 दिसंबर को शो का पहला एपिसोड स्ट्रीम हो चुका है नेटफ्लिक्स पर, इस दौरान प्रियंका चोपड़ा का सेट से वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में प्रियंका चोपड़ा कपिल शर्मा से अपनी और निक जोनस से जुड़ा हुए एक रोमांटिक करवाचौथ का किस्सा सुना रही हैं।

वायरल वीडियो में प्रियंका चोपड़ा कहती हैं कि उनके पति निक जोनस को करवाचौथ बहुत पसंद है। उनका फेवरेट हॉलीडे है वो। प्रियंका ने कहा कि उन लोगों ने बहुत अजीब-अजीब जगह पर चांद को ढूंढने की कोशि की है।

प्रियंका चोपड़ा ने बताया, 'एक बार वो दोनों किसी स्टेडियम थे। स्टेडियम में शो हो रहा था। बादल छा गए थे, बारिश आनेवाली थी....और 60-70 हजार लोग, वो शो कर रहे हैं। 10 बज गए, 11 बज गए... ये बहुत रोमांटिक चीज है.... वो मुझे अपने प्लेन में बिठाकर ऊपर ले गए और वहां पर मैंने व्रत खोला।'

इसके बाद कपिल शर्मा ने प्रियंका से शरारती अंदाज में पूछा कि हवा में सिर्फ व्रत ही खोला। इस पर प्रियंका भी मजाकिया अंदाज में जवाब देती हैं- मिठाई भी खाई। अर्चना पूरन सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू , कपिल और प्रियंका की बातों पर ठहाके लगाकर हसंते नजर आए।

यह वीडियो रेडिट पर वायरल हो रहा है। लोगों ने इस वीडियो पर रिएक्शन दिए हैं। एक ने लिखा- अमीर लोगों का प्यार, इनके लिए खुश। अन्य ने लिखा- बादलों से ऊंची उड़ान अपनी। एक तीसरे यूजर ने लिखा- अमीर लोगों की चीज।

राधिका आप्टे का खुलासा- बेहतरीन फिल्में देने वाली इंडस्ट्री में झेली 'असहज' स्थितियां, बताया अपना संघर्ष

एक्ट्रेस राधिका आप्टे ने साउथ इंडियन सिनेमा में अपने शुरुआती अनुभवों के बारे में बात की है, इंडस्ट्री की लगातार अच्छी फिल्में देने के लिए तारीफ की, साथ ही एक फिल्म सेट पर हुई एक अजीब घटना को भी याद किया, जहां वह अकेली महिला थीं। हाल ही में एक इंटरव्यू में, एक्ट्रेस ने बताया कि कैसे फाइनेंशियल दिक्कतों के कारण उन्हें 2000 के दशक के आखिर में साउथ फिल्में करनी पड़ीं, यह एक ऐसा दौर था जिसने उन्हें क्रिएटिव मौके भी दिए और कुछ बहुत परेशान करने वाले पल भी।

दिए एक इंटरव्यू में, राधिका ने बताया कि उस समय साउथ इंडियन फिल्मों में काम करना मजबूरी थी, पसंद नहीं। उन्होंने कहा, 'तब मैंने कुछ साउथ फिल्में कीं क्योंकि मुझे सच में पैसों की ज़रूरत थी, ' और यह भी बताया कि उनमें से कुछ सेट बिल्कुल भी अच्छे नहीं थे। एक्ट्रेस के अनुसार, संवेदनशीलता और प्रतिनिधित्व की कमी के कारण कुछ शूटिंग के माहौल में काम

करना मुश्किल था।

एक खास तौर पर परेशान करने वाले अनुभव को याद करते हुए, राधिका ने बताया कि एक छोटे शहर में शूटिंग के दौरान वह सेट पर अकेली महिला थीं। उन्होंने बताया, 'मैंने जो कुछ फिल्में कीं, उन सेट पर मुझे बहुत मुश्किल हुई। मुझे याद है एक बार, मैं सेट पर अकेली महिला थी। हम एक छोटे से शहर में शूटिंग कर रहे थे। वे मेरे हिप्स और ब्रेस्ट पर और पैडिंग लगाना चाहते थे। वे कह रहे थे, 'अम्मा, और पैडिंग!' मैंने कहा, 'और कितनी पैडिंग? किसी को कितना और गोल बनाओगे?''

राधिका आप्टे आखिरी बार टिस्का चोपड़ा की पहली डायरेक्टोरियल फिल्म साली मोहब्बत में दिखी थीं, जिसमें उन्होंने दिव्येंदु के साथ काम किया था। यह फिल्म अभी ज़ी5 पर स्ट्रीम हो रही है।

अरावली की नई परिभाषा पर सवाल, वरिष्ठ वकील ने CJI से की पुनर्विचार की मांगः पर्यावरण संरक्षण पर खतरा?

नई दिल्ली। वरिष्ठ अधिवक्ता हितेंद्र गांधी ने भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर अरावली पहाड़ियों की परिभाषा को लेकर सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश पर पुनर्विचार या स्पष्टता की मांग की है। उनका कहना है कि केवल ऊंचाई के आधार पर तय की गई परिभाषा उत्तर-पश्चिम भारत में पर्यावरण संरक्षण को कमजोर कर सकती है।

बता दें कि 20 नवंबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने 'इन रीः अरावली हिल्स एंड रेंजेज की परिभाषा से जुड़े मुद्दे' मामले में एक महत्वपूर्ण आदेश पारित किया था। इस आदेश में अरावली क्षेत्र को एक पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील प्राकृतिक ढाल के रूप में मान्यता दी गई थी। अधिवक्ता गांधी ने अपने पत्र में इस कदम का स्वागत करते हुए कहा है कि अदालत द्वारा सतत खनन के लिए व्यापक प्रबंधन योजना तैयार करने के निर्देश, नई खनन लीज पर अंतरिम रोक और संचयी प्रभाव व वहन क्षमता पर जोर एक सकारात्मक पहल है।

हालांकि, उन्होंने अदालत द्वारा अपनाई गई कार्यात्मक परिभाषा पर चिंता जताई है। मौजूद जानकारी के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के आदेश में उन भू-आकृतियों को अरावली पहाड़ियों के रूप में चिन्हित करने का आधार बनाया गया है, जिनकी स्थानीय ऊंचाई आसपास के क्षेत्र से 100 मीटर या उससे अधिक है। गांधी का तर्क है कि इस तरह की संकीर्ण परिभाषा अरावली के बड़े हिस्सों को संरक्षण से बाहर कर सकती है, जबकि वे पारिस्थितिक दृष्टि से उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

गौरतलब है कि अरावली पर्वत श्रृंखला दुनिया की सबसे प्राचीन पर्वतमालाओं में से एक मानी जाती है, जो समय के साथ काफी हद तक घिस चुकी है। अधिवक्ता गांधी ने कहा है कि इसकी पारिस्थितिक भूमिका केवल ऊंची चोटियों तक सीमित नहीं है। कम ऊंचाई वाली पहाड़ियां, चट्टानी उभार, ढलान, जल पुनर्भरण क्षेत्र और आपसी संपर्क वाले भू-भाग भी भूजल संरक्षण, धूल और मरुस्थलीकरण को रोकने, जैव विविधता को बनाए रखने और दिल्ली-एनसीआर के सूक्ष्म जलवायु संतुलन में अहम भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि भारत में अक्सर पर्यावरण संरक्षण कानूनी वर्गीकरण और भूमि अभिलेखों से जुड़ा होता है। यदि परिभाषा बहुत सीमित रही, तो ऐसे 'ग्रे ज़ोन' बन सकते हैं, जहां खनन, निर्माण और भूमि उपयोग परिवर्तन को रोकना मुश्किल हो जाएगा, और इसका नुकसान अपूरणीय हो सकता है।

पत्र में दिल्ली-एनसीआर की गंभीर वायु गुणवत्ता समस्या का भी उल्लेख किया गया है। गांधी ने कहा कि अरावली की रिज वनस्पतियां और उनसे जुड़े झाड़ीदार क्षेत्र धूल के प्रवाह को रोकने और प्रदूषक कणों को नियंत्रित करने में प्राकृतिक अवरोध का काम करते हैं। यदि इन क्षेत्रों को संरक्षण से बाहर रखा गया, तो वायु प्रदूषण, भूजल संकट, अत्यधिक गर्मी और वन्यजीव गलियारों के विखंडन जैसी समस्याएं और गहरी हो सकती हैं।

वार्ड नंबर 39 में चुनावी लहर तेज, एडवोकेट मुक्ता पंकज शुक्ला की बढ़ती जनता मे लोकप्रियता

दिव्यांश
मंत्र भारत संवाददाता

मुंबईः मनपा चुनाव की घोषणा के साथ ही कांदिवली पूर्व के वार्ड नंबर 39 में सियासी माहौल पूरी तरह गरमा चुका है, इसी बीच एडवोकेट मुक्ता पंकज शुक्ला जनता के बीच तेजी से उभरती हुई सबसे मजबूत और लोकप्रिय चेहरे के रूप में सामने आई हैं। रोज़ाना सैकड़ों नागरिकों से सीधा संवाद, घर-घर जनसंपर्क और जमीनी मुद्दों पर स्पष्ट रुख ने उन्हें वार्ड की जनता का भरोसेमंद नेता बना दिया है।

आज आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में वार्ड नंबर 39 की ज्वलंत जनसमस्याओं को लेकर एडवोकेट मुक्ता पंकज शुक्ला ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए साफ कहा

कि अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस कार्य और जवाबदेही का समय आ गया है। उन्होंने सड़क, पानी, नालों, साफ-सफाई, सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं को लेकर प्रशासन से आर-पार की लड़ाई लड़ने का संकल्प दोहराया। बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने जनता से अपील की कि आने वाले मनपा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान कर निष्क्रिय और दिखावटी राजनीति को जवाब दें। उन्होंने कहा कि वार्ड को ऐसे प्रतिनिधि की जरूरत है जो केवल चुनाव के समय नहीं, बल्कि हर दिन जनता के सुख-दुख में साथ खड़ा रहे। हालांकि अभी तक किसी भी पार्टी ने आधिकारिक टिकट की घोषणा नहीं की है, लेकिन एडवोकेट मुक्ता पंकज शुक्ला की बढ़ती लोकप्रियता और जनसमर्थन ने चुनावी समीकरणों को पूरी तरह बदल कर रख दिया है। वार्ड 39 में अब यह साफ दिखाई दे रहा है कि जनता बदलाव के मूड में है और एडवोकेट मुक्ता पंकज शुक्ला उस बदलाव का चेहरा बन चुकी हैं। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा जोरों पर है कि यदि यही जनसमर्थन बरकरार रहा, तो वार्ड नंबर 39 में मुकाबला एकतरफा होता नजर आ सकता है।

'उचित आकलन करने में विफल रहा', केरल हाई कोर्ट ने सबरीमाला एयरपोर्ट के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया रद्द की

सबरीमाला **(एजेंसी)**। केरल हाई कोर्ट ने प्रस्तावित सबरीमाला ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया के महत्वपूर्ण चरणों को रद्द कर दिया है। साथ ही कहा कि राज्य परियोजना के लिए वास्तव में आवश्यक न्यूनतम भूमि का उचित आकलन करने में विफल रहा। राज्य सरकार ने 30 दिसंबर, 2022 को चेरुवल्ली एस्टेट और इसके बाहर स्थित अतिरिक्त 307 एकड़ भूमि सहित 2, 570 एकड़ भूमि के अधिग्रहण के लिए मंजूरी देने का आदेश जारी किया था। 'अयाना चैरिटेबल ट्रस्ट' (पूर्व में गॉस्पेल फॉर एशिया) और उसके प्रबंध न्यासी डॉ. सिनी पुन्नूसे द्वारा दायर रिट याचिका पर फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति सी. जयचंद्रन ने फैसला सुनाया कि भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन में उचित मुआवजे एवं पारदर्शिता के अधिकार अधिनियम, 2013 के तहत निर्णय लेने की प्रक्रिया कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण थी।

घर बुलाया, नौकरी दिलाने का किया वादा, फिर नाबालिग के साथ किया दुष्कर्म, दो आरोपी गिरफ्तार

भुवनेश्वर **(एजेंसी)**। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में 17 वर्षीय किशोरी से कथित दुष्कर्म के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार यह घटना 18 दिसंबर की दोपहर करीब दो बजे हुई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि किराए के एक मकान में दो व्यक्तियों ने नाबालिग का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने पीड़िता को डेटा एंट्री ऑपरेटर की नौकरी दिलाने का कथित तौर पर वादा दिया था और इसी सिलसिले में बातचीत करने के लिए उसे घर बुलाया था।

अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में शहीद नगर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा, "दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।" भुवनेश्वर में पिछले 10 दिनों के भीतर इस तरह की यह दूसरी घटना है। इससे पहले 10 दिसंबर की शाम को शहर के बाहरी इलाके में धौली शांति स्तूप के पास 17 वर्षीय एक अन्य लड़की के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म हुआ था। उस मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है और जांच जारी है।

मोहन भागवत के बयान पर कांग्रेस और आप का पलटवार, संजय सिंह बोले- बीजेनी और आरएसएस में कोई फर्क नहीं

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के हालिया बयानों ने देश की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान हिंदुओं की सुरक्षा, बांग्लादेश में हालात और संघ की भूमिका पर दिए गए उनके वक्तव्यों को लेकर विपक्ष ने केंद्र सरकार और भाजपा पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने धर्म, सत्ता और संघ के रिश्तों को लेकर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने दिल्ली में मोहन भागवत के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आज भी देश में संकीर्ण सोच नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर किसी को धर्म के आधार पर अलग किया जाता है तो यह अच्छे संकेत नहीं हैं। सुखदेव भगत ने साफ कहा कि सरकार का कर्तव्य है कि वह हर नागरिक की सुरक्षा करे। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति पर चिंता जताई और कहा कि वहां जो कुछ हो रहा है, उससे भारत चिंतित है। उनका कहना था कि सिर्फ बांग्लादेश ही नहीं, बल्कि दुनिया में जहां भी भारतीय रहते हैं, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भारत सरकार की है।

बांग्लादेश और शक्ति का सवाल

सुखदेव भगत ने कहा कि बिना शक्ति के शांति संभव नहीं है। उन्होंने सरकार से अपील की कि सुरक्षा के लिहाज से शक्ति का सही इस्तेमाल किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री से विशेष रूप से आग्रह किया कि विदेशों में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा को गंभीरता से लिया जाए। कांग्रेस सांसद ने यह भी कहा कि समाज में भय और तनाव का माहौल नहीं होना चाहिए। सरकार की जिम्मेदारी है कि वह समाज में सौहार्द और भाईचारे का वातावरण बनाए रखे। विपक्ष का आरोप है कि मौजूदा हालात में धर्म के नाम पर विभाजन की राजनीति बढ़ रही है, जो देश के लिए खतरे की घंटी है।

संघ पर भागवत की दो टूक

कोलकाता में साइंस सिटी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने संघ को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि अगर संघ को समझना है तो उसकी तुलना किसी और संगठन से करना गलत होगा। भागवत ने कहा कि संघ को सिर्फ एक सेवा संगठन मानना बड़ी भूल है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कई लोग संघ को भाजपा के नजरिये से देखते हैं, जो पूरी तरह गलत है। संघ की स्थापना का मूल मंत्र 'भारत माता की जय' है। उन्होंने कहा कि भारत सिर्फ एक देश नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपरा और मूल्यों का नाम है। संघ का लक्ष्य समाज को मजबूत बनाकर भारत को फिर से विश्व गुरु बनाना है।

हिंदू समाज और बांग्लादेश पर चिंता

मोहन भागवत ने अपने संबोधन में बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक हैं और वहां हालात कठिन हैं। ऐसे में वहां के हिंदुओं को अपनी सुरक्षा के लिए एकजुट रहना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि केवल बांग्लादेश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के हिंदुओं को एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए। भारत हिंदुओं का एकमात्र देश है, इसलिए भारत सरकार को इस विषय पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। हालांकि भागवत ने यह भी कहा कि भारत अपनी सीमाओं के भीतर रहकर जितनी मदद कर सकता है, उतनी कर रहा है।

आप का सीधा हमला

उत्तर प्रदेश में आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने संघ और भाजपा को लेकर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा का निर्माण आरएसएस ने ही किया है। संजय सिंह ने सवाल किया कि क्या कभी आरएसएस ने भाजपा के खिलाफ बोला है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा और आरएसएस में कोई अंतर नहीं है।

पत्नी से बचने के चक्कर में बुरा फंसा : अंडरवियर में चौथी मंजिल पर साइनबोर्ड से लटका शख्स

बीजिंग **(एजेंसी)**। चीन के हांगझोउ शहर में एक अनोखी और हैरान करने वाली घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसमें एक पुरुष को होटल के बाहर लगे साइनबोर्ड से लटका देखा गया। यह नज़ारा चौथी मंजिल की ऊँचाई पर था, और यह व्यक्ति केवल अंडरवियर (बॉक्सर) पहने था। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब इस पुरुष ने अपनी पत्नी से पकड़े जाने के डर से अजीबोगरीब बचने की कोशिश की। जैसे ही पत्नी ने उसे पकड़ने की कोशिश की या नज़दीक पहुँचने की चेतावनी दी, उसने होटल के कमरे की खिड़की से बाहर निकलकर बाहर लगे साइनबोर्ड को पकड़ लिया।

वीडियो में वह पुरुष नीचे से कई मीटर ऊपर साइनबोर्ड पर लटका दिखाई देता है, जबकि लोग हैरानी और चिंता के साथ उसे निहार रहे हैं। यह दृश्य अनायास ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फैल गया, जहाँ से यह वायरल

हो गया। सोशल मीडिया पर इस वीडियो को साझा करने वाले उपयोगकर्ताओं ने विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएँ दी हैं। कुछ लोग इसे मनोरंजक और मजाकिया घटना मान रहे हैं, तो कई लोगों ने इसे जोखिम भरा और अविवेकपूर्ण कदम बताया है। वीडियो के साथ जुड़े कमेंट्स में कई लोगों ने लिखाः 'यह जो व्यवहार है, यह बेहद खतरनाक था।' और कुछ ने इसे विवाहेतर जीवन और दाम्पत्य जीवन की जटिलताओं का उदाहरण भी बताया है।

इस घटना के बारे में स्थानीय अथॉरिटीज़ या पुलिस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है कि आखिरकार उस व्यक्ति को सुरक्षित नीचे उतारा गया या नहीं, या आगे क्या कार्रवाई हुई। हालांकि इस तरह के वायरल वीडियो आमतौर पर इंटरनेट पर कई तरह की प्रतिक्रियाओं का कारण बनते हैं – जहाँ कुछ लोग इसे मज़ाक में लेते हैं, वहीं अन्य इसे गंभीर रूप से देखते हैं। ऐसे ह्वेत्न्नादे अक्सर रिश्तों, सामाजिक दबाव और संदिग्ध निर्णयों की मनोवैज्ञानिक वजहों पर भी विचार करने का मुद्दा बन जाते हैं, विशेष रूप से जब व्यक्ति अपने आत्म-सम्मान या शर्मिंदगी से बचने के लिए आत्म-खतरे में डाल देता है। सोशल मीडिया यूज़र्स के अनुसार, हमें ऐसे निर्णयों को हल्के में नहीं लेना चाहिए, क्योंकि यह न केवल खुद के जीवन को जोखिम में डालता है, बल्कि दूसरों को भी जोखिम की भावना से प्रभावित कर सकता है।

पाक में धर्मांतरण-निकाह से इंकार पड़ा भारी, नाबालिगा के दिनदहाड़े अपहरण का वीडियो आया सामने! अमेरिका तक गूंजा मामला

इस्लामाबाद। सोशल मीडिया पोस्ट में पाकिस्तान में 17 वर्षीय ईसाई लड़की के कथित अपहरण, जबरन धर्मांतरण और विवाह के आरोप लगाए गए हैं। मानवाधिकार समूह वर्षों से ऐसे मामलों पर चिंता जताते रहे हैं, हालांकि ताज़ा दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई। अमेरिकी सोशल मीडिया अकाउंट एमी मेक की एक पोस्ट ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहस छेड़ दी है। पोस्ट में दावा किया गया है कि पाकिस्तान में 17 वर्षीय ईसाई लड़की 'हन्ना' का दिनदहाड़े अपहरण किया गया, क्योंकि उसने कथित तौर पर धर्मांतरण और 46 वर्षीय व्यक्ति से विवाह से इनकार कर दिया था।

पोस्ट में यह भी आरोप लगाया गया कि घटना के समय मौजूद लोगों ने हस्तक्षेप नहीं किया। हालांकि, इस विशेष घटना की स्वतंत्र पुष्टि अभी तक किसी आधिकारिक एजेंसी या विश्वसनीय मीडिया रिपोर्ट से नहीं हुई है। पाकिस्तान सरकार या स्थानीय पुलिस की

ओर से भी इस दावे पर तत्काल प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। यह मामला ऐसे समय सामने आया है जब अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों, अमेरिकी विदेश विभाग की धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट्स, और कई एनजीओ पाकिस्तान में अल्पसंख्यक लड़कियों के अपहरण, जबरन धर्मांतरण और विवाह के मामलों पर वर्षों से चिंता जताते रहे हैं। इन रिपोर्टों में यह भी कहा गया है कि कुछ मामलों में पीड़िताओं के बयान दबाव में दर्ज होते हैं, अदालतों में 'स्वैच्छिक धर्मांतरण' के दावे सामने आते हैं और परिवारों को धमकियों का सामना करना पड़ता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, बाल विवाह और जबरन धर्मांतरण से जुड़े मामलों में कानूनी प्रक्रिया, पुलिस की भूमिका और सामाजिक दबाव अक्सर जटिल हो जाते हैं। पाकिस्तान में मौजूद कानूनों और उनके क्रियान्वयन को लेकर अंतरराष्ट्रीय निगरानी लगातार जारी रही है। मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि स्वतंत्र जांच, पारदर्शिता और पीड़ितों की सुरक्षा ही ऐसे मामलों में भरोसेमंद निष्कर्ष तक पहुंचने का रास्ता है। पोस्ट में अमेरिका के टेक्सास में पाकिस्तानी झंडे या कार्यक्रमों को लेकर भी तीखी प्रतिक्रिया दी गई है। इससे अमेरिका में प्रवासी समुदाय, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और विदेश नीति पर नई बहस शुरू हो गई है। हालांकि अमेरिकी अधिकारियों की ओर से इस विशेष पोस्ट पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

हांगकांग में चाकू दिखाकर 6.4 मिलियन डॉलर की लूट, मुख्य आरोपी चीनी नागरिक गिरफ्तार

बीजिंग **(एजेंसी)**। हांगकांग पुलिस ने एक हाई-वैल्यू मनी एक्सचेंज लूट के मामले में मुख्य भूमि चीन के 43 वर्षीय नागरिक को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी उस घटना के बाद हुई, जिसमें करंसी एक्सचेंज दुकान के कर्मचारियों को चाकू दिखाकर लगभग 1 अरब जापानी येन लूट लिए गए थे, जिनकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 64 लाख अमेरिकी डॉलर आंकी गई है। पुलिस के अनुसार, यह घटना गुरुवार को शुंग वान इलाके में हुई। एक मनी एक्सचेंज कंपनी के दो कर्मचारी चार सूटकेस में भारी मात्रा में नकद लेकर पास के बैंक जा रहे थे, जहां इस रकम को हॉन्गकॉन्ग डॉलर में बदलना था।

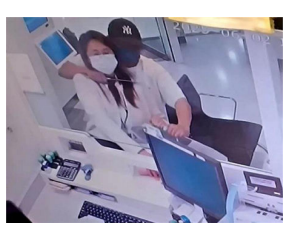

इसी दौरान रास्ते में तीन संदिग्धों ने चाकू निकालकर कर्मचारियों को धमकाया और सभी सूटकेस छीनकर मौके से फरार हो गए। राहत की बात यह रही कि इस वारदात में कोई शारीरिक चोट नहीं आई। जांच के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध वाहन को ट्रेस किया, जिसे लूट

के बाद भागने में इस्तेमाल किया गया था। इसके बाद पुलिस ने मुख्य भूमि चीन के आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से जापानी येन से भरा एक सूटकेस बरामद किया।हांगकांग पुलिस का मानना है कि इस वारदात में कुल चार लोग शामिल थे। फिलहाल तीन आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस ने कहा है कि यह मामला संगठित अपराध से जुड़ा हो सकता है और जांच अभी जारी है। अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। इस घटना ने हॉन्गकॉन्ग में मनी एक्सचेंज कारोबार की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बांग्लादेश हिंसा : दीपू चंद्र दास ने नहीं की थी कोई भड़काऊ टिप्पणी, ईशनिंदा के आरोप निकले झूठे

ढ़ाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश के मैमन सिंह में ईशनिंदा के आरोप में भीड़ द्वारा मार दिए गए 25 वर्षीय हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में पता चला है कि दीपू ने ऐसी कोई टिप्पणी नहीं की थी जिससे किसी की धार्मिक भावनाएं आहत हों। वह पूरी तरह निर्दोष था और केवल अफवाहों के कारण उसे अपनी जान गंवानी पड़ी।

मैमनसिंह की एक गारमेंट फैक्ट्री में काम करने वाले दीपू के खिलाफ अफवाह फैली कि उसने इस्लाम पर अपमानजनक टिप्पणी की है। उत्तेजित भीड़ ने उसे फैक्ट्री से खींचकर बाहर निकाला और पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी।हत्या के बाद भीड़ ने दीपू के शव को हाईवे के पास एक पेड़ से लटकाकर आग लगा दी। इस पूरी घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। बांग्लादेश के आतंकवाद विरोधी बल ने साफ किया है कि दीपू के फेसबुक या बातचीत में ईशनिंदा का कोई सबूत नहीं मिला है। फैक्ट्री के सहकर्मियों ने भी ऐसी किसी बात की पुष्टि नहीं की।

मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सरकार का कहना है कि नए बांग्लादेश में ऐसी हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है और दोषियों को सख्त सजा दी जाएगी।

बांग्लादेशी पत्रकार का युनुस सरकार पर कड़ा प्रहार दुनिया में बदनाम हो गया देश, बहुत गलत मिसाल पेश की

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश के वरिष्ठ पत्रकार और ढाका ट्रिब्यून के संपादक रियाज़ अहमद ने इंक़िलाब मंच के नेता उस्मान हादी की मौत के बाद भड़की हिंसा पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इस अशांति ने देश में कानून-व्यवस्था और सरकार की गंभीर नाकामी को उजागर कर दिया है और आगामी आम चुनावों से पहले बांग्लादेश ने एक बेहद गलत उदाहरण पेश किया है। रियाज़ अहमद ने कहा कि हादी की हत्या के बाद जनता का गुस्सा और दुख स्वाभाविक था, लेकिन इसी भावनात्मक माहौल का फायदा उठाकर कुछ कट्टर और हाशिए के तत्वों ने हालात को हिंसक बना दिया। उन्होंने कहा, 'इसे बहाना बनाकर भीड़ के भीतर मौजूद कुछ तत्व बेहद हिंसक हो गए। राज्य को ऐसी हिंसा किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं करनी चाहिए।'

उस्मान हादी, जो पिछले साल जुलाई में हुए जन-आंदोलन के प्रमुख चेहरों में शामिल थे, को 12 दिसंबर को ढाका के विजयनगर इलाके में रिक्शा से जाते समय करीब से गोली मार दी गई।गोली उनके सिर में लगी। गंभीर हालत में उन्हें बेहतर इलाज के लिए सिंगापुर एयरलिफ्ट किया गया, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद 18 दिसंबर को उनकी मौत हो गई।उस्मान हादी का जनाज़ा शनिवार को हुआ।परिवार की इच्छा के अनुसार उन्हें राष्ट्रीय कवि काज़ी नजरुल इस्लाम की कब्र के पास दफनाया गया। हादी की मौत के बाद ढाका समेत कई इलाकों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए।शुक्रवार को, जब हादी का शव ढाका लाया गया, तब कई दौर के विरोध प्रदर्शन हुए।हालांकि कई प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे, लेकिन कुछ जगहों पर हालात बिगड़ गए और मीडिया संस्थानों सांस्कृतिक कार्यालयों पर हमले किए गए। रियाज़ अहमद ने दो प्रमुख अखबारों और सांस्कृतिक संस्थानों पर हुए हमलों को 'देश के लिए बेहद शर्मनाक' बताया।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)